खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 22 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-200

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत पर ग़ौर करने की ज़रूरत है। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है । एक अहम प्रोजेक्ट– जिसपर आप काफ़ी अरसे से काम कर रहे थे– टल हो सकता है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आप अपने बच्चों से कुछ सबक़ सीखने वाले हैं। उनकी मासूमियत उनके आस–पास के लोगों में स्नेह व उत्साह के बल पर औरों में बदलाव ला सकती है। सेमिनार आदि में भागीदारी आपके व्यावसायिक सम्पर्कों में सुधार लाएगी। शादिशुदा ज़िन्दगी के तमाम मुश्किल दिनों के बाद आप और आपका हमदम फिर प्यार को महसूस कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप अपने सकारात्मक रवैये और आत्मविश्वास की वजह से आस–पास के लोगों को प्रभावित करेंगे। आज यार दोस्तों के साथ पार्टी में आप खूब पैसे लुटा सकते हैं लेकिन इसके बावजूद भी आपका आर्थिक पक्ष आज मजबूत रहेगा। सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है। कार्यक्षेत्र में आप ख़ुद को ख़ास महसूस करेंगे। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। वैवाहिक जीवन में स्नेह को दिखलाने का अपना महत्व है और इस चीज़ का अनुभव आज आप करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप ख़ुशनसीब हैं कि आपके ऐसे सगे–संबंधी हैं। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। एक बार आप अपने हमक़दम को हासिल कर लें, तो ज़िन्दगी में किसी और की ज़रूरत नहीं होती। इस बात को आज आप गहराई से महसूस करेंगे। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंग इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अतः बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपनी भावनाओं पर, ख़ास तौर पर गुस्से पर, क़ाबू रखें। आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। अगर आपको एक दिन की छुट्टी पर जाना है तो चिंता न करें, आपकी ग़ैरहाज़िरी में सभी काम ठीक से चलते रहेंगे। और अगर किसी ख़ास वजह से कोई परेशानी खड़ी भी हो जाए, तो आप लौटने पर उसे आसानी से हल कर लेंगे। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। अगर थोड़ी–सी कोशिश करेंगे तो जीवनसाथी के मतभेद दूर होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वयं को शांत बनाए रखें , ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 जुलाई 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी अहोरात्र
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 11:03 तक
योग : साध्य रात्रि 06:41 तक
करण : बालव रात्रि 06:08 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 ,सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी , भडलीया नवमी, गुप्त नवरात्रि पूर्ण

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

फिर पंच बनने तैयार पाक

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है। पाकिस्तान ने कहा है कि वह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए ''ईमानदार और सच्चे मध्यस्थ'' की भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंगलवार को पाकिस्तान ने पश्चिम एशिया में हालिया घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने तथा ऐसे कदमों से बचने की अपील की, जिनसे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ सकती है।

ईरान के गृह मंत्री के दौरे के बीच आया बयान

यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के दौरे पर है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय शांति बनाए रखने पर जोर दिया।

दौरे के दौरान ईरानी गृह मंत्री ने रावलपिंडी स्थित जनरल मुख्यालय (जीएचक्यू) में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से भी मुलाकात की। बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा, द्विपक्षीय संबंधों, सीमा प्रबंधन और आपसी सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

पाकिस्तान की कूटनीतिक भूमिका की सराहना

पाकिस्तानी सेना द्वारा जारी बयान के अनुसार,

ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय तनाव कम करने और शांति बनाए रखने के लिए पाकिस्तान की कूटनीतिक पहल की सराहना की।

बयान में कहा गया कि बैठक का समापन क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता और साझा समृद्धि के लिए दोनों देशों के बीच समन्वय और सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने दोहराई मध्यस्थता की पेशकश

प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने का आग्रह किया। पाकिस्तान एक ईमानदार और सच्चे मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा तथा क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराता है।

बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने ईरान के सर्वोच्च नेता और राष्ट्रपति के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की सक्रियता

मोमेनी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब ईरान और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ते सैन्य तनाव के कारण पश्चिम एशिया की स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। माना जा रहा है कि पाकिस्तान सहित कुछ अन्य देश पर्दे के पीछे दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल कराने और तनाव कम करने के प्रयास कर रहे हैं।

तटस्थ भूमिका निभाना पाकिस्तान के लिए आसान नहीं

हालांकि, पाकिस्तान की इस पेशकश पर कई विशेषज्ञ सवाल भी उठा रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका के साथ सुरक्षा एवं रणनीतिक संबंधों तथा दूसरी ओर ईरान के साथ सीमा, व्यापार और ऊर्जा सहयोग के कारण पाकिस्तान के लिए पूरी तरह तटस्थ भूमिका निभाना चुनौतीपूर्ण होगा।

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि पाकिस्तान के सऊदी अरब के साथ घनिष्ठ रक्षा संबंध हैं, जबकि ईरान और सऊदी अरब के बीच समय–समय पर तनाव की स्थिति बनती रही है। ऐसे में किसी भी संभावित क्षेत्रीय संघर्ष में पाकिस्तान के लिए संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होगा।

अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत करने की कोशिश

विश्लेषकों का मानना है कि मध्यस्थता की पेशकश पाकिस्तान के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि मजबूत करने का भी प्रयास है। गंभीर आर्थिक चुनौतियों और घरेलू राजनीतिक दबावों के बीच इस्लामाबाद वैश्विक मंच पर स्वयं को एक जिम्मेदार और सक्रिय कूटनीतिक भागीदार के रूप में स्थापित करना चाहता है।

युवा शक्ति सेवा से जुड़ेगी तभी सशक्त और संस्कारित राष्ट्र का होगा निर्माण : देवकरण कुमावत

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद, असहाय, श्रमिक एवं राहगीरों को प्रेम, आत्मीयता और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा के इस पुनीत कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। उपस्थित सभी लोगों ने मानव सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए समाज में प्रेम, सहयोग और करुणा का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए देवकरण कुमावत ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसकी युवा शक्ति होती है। यदि युवाओं के भीतर सेवा, संस्कार, अनुशासन, त्याग और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित हो जाए तो देश प्रगति के नए आयाम स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो केवल अपने भविष्य के बारे में ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए भी सोचें। सेवा का भाव व्यक्ति को महान बनाता है और समाज को मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र के भेदभाव के प्रतिदिन मानव सेवा का कार्य कर रहा है। यह केवल अन्नदान का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और भारतीय संस्कृति के उच्च आदर्शों को जन–जन तक पहुंचाने का एक सतत अभियान है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके आत्मसम्मान और विश्वास को भी मजबूत करना है। यही संस्कार हमारे समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि मानव सेवा, अन्नदान और सामाजिक सहयोग का यह अभियान भविष्य में भी पूरी निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना के साथ निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंच सके और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा मानवीय मूल्यों की भावना निरंतर मजबूत होती रहे।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा, भास्कर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पुखराम कुमावत, देवकरण कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल तथा नंद किशोर अग्रवाल सहित अनेक सेवा भावी सदस्य उपस्थित रहे।

जंतर–मंतर पर पुलिस कार्रवाई की निंदा, घायलों से मिले सांसद वमसी कृष्णा

पेद्दापल्ली / नई दिल्ली, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

जंतर–मंतर पर संसद घेराव के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर आक्रोश बढ़ गया है। आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और बच्चों, महिलाओं सहित शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। इस घटना में कई लोग घायल हो गए हैं, जिनका दिल्ली के राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसी सिलसिले में पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वमसी कृष्णा ने आज आरएमएल अस्पताल का दौरा कर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने डॉक्टरों से घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और पीड़ितों से घटना के बारे में विस्तार से बात की। इस मौके पर सांसद वमसी कृष्णा ने कहा कि बच्चों, महिलाओं और शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस का हमला निंदनीय है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देश में हर नागरिक को विरोध प्रदर्शन का अधिकार है और पुलिस द्वारा इस अधिकार का दमन करना उचित नहीं है।

काका के प्रशंसकों पर हमला बर्दाश्त नहीं, पहला वार मुझ पर होगा

पेद्दापल्ली से कांग्रेस सांसद गद्दाम वमसी कृष्णा ने कहा है कि अगर कोई काका के प्रशंसकों पर हमला करने की कोशिश करेगा तो पहला वार उसी पर होगा।सांसद ने कहा कि वे दशकों से काका का समर्थन करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आश्वासन देते हुए कहा कि चाहे कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़े या नुकसान उठाना पड़े, वे हमेशा उनके साथ रहेंगे।

सांसद वमसी कृष्णा ने कहा कि वे अपनी किसी भी समस्या को बेझिझक बताएं। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्यकर्ताओं पर हमले होने पर वे चुप नहीं बैठेंगे, चाहे उनके खिलाफ मामले ही क्यों न दर्ज हो जाएं।उन्होंने कहा कि वे छोटी राजनीति बर्दाश्त नहीं करेंगे और जो लोग इस तरह की राजनीति में लिप्त होंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

बिहार रेजिमेंटल सेंटर में फ्लड रेस्क्यू सेमिनार

100 किलो पेलोड वाले रेस्क्यू ड्रोन का लाइव प्रदर्शन

पटना, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) झारखंड एवं बिहार सब एरिया द्वारा मंगलवार को बिहार रेजिमेंटल सेंटर में फ्लड रेस्क्यू ऑपरेशन सेमिनार और आधुनिक बचाव उपकरणों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा अन्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वैमानिका एयरोस्पेस द्वारा विकसित 100 किलोग्राम पेलोड क्षमता वाले रेस्क्यू ड्रोन का लाइव प्रदर्शन रहा। कंपनी के विशेषज्ञों ने बताया कि यह ड्रोन आपदा के समय एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियों के साथ मिलकर मानव बचाव, खाद्य सामग्री, दवाइयां, मेडिकल किट, लाइफ सेविंग उपकरण और अन्य आवश्यक राहत सामग्री की त्वरित आपूर्ति में उपयोगी साबित हो सकता है। सड़क संपर्क बाधित होने या दुर्गम क्षेत्रों में यह ड्रोन राहत कार्यों को अधिक तेज और प्रभावी बना सकता है।

इस अवसर पर कंपनी ने अपने लॉन्ग रेंज एआई–इनेबल्ड सर्विलांस ड्रोन का भी प्रदर्शन किया, जो बड़े क्षेत्र की रियल–टाइम निगरानी, बाढ़ प्रभावित इलाकों की पहचान, सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन और राहत एजेंसियों को सटीक जानकारी उपलब्ध कराने में सक्षम है।

इसके अलावा अधिकारियों को रक्षा एवं सामरिक उपयोग वाले विभिन्न ड्रोन प्लेटफॉर्म, जिनमें कमिकाज़े ड्रोन, शाहेद प्रकार के लॉन्ग रेंज ड्रोन, सर्विलांस और लॉजिस्टिक ड्रोन शामिल हैं, के बारे में भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बिहार के राज्यपाल एवं सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने आधुनिक बचाव उपकरणों और ड्रोन तकनीकों का अवलोकन किया और आपदा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के महत्व पर जोर दिया।

झारखंड एवं बिहार सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में 51 इंजीनियर रेजिमेंट द्वारा बाढ़ राहत उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस मौके पर डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर अमित वेदी, बिहार रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर राकेश कुमार बोरा, डिप्टी कमांडेंट कर्नल विजय कुमार, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गोदावरी पुष्करों की तैयारियां तेज, डीसीपी भास्कर ने गूडेम घाट का किया निरीक्षण

मंचेरियाल, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी वर्ष आयोजित होने वाले गोदावरी पुष्करों को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। रामगुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा के निर्देश पर मंचेरियल डीसीपी ए. भास्कर ने एसीपी आर. प्रकाश, सीआई रमणमूर्ति और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ लक्षेट्टीपेट और दंडेपल्ली थाना क्षेत्र स्थित गूडेम देवालयम घाट का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी भास्कर ने अधिकारियों को पुष्कर आयोजन के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर तेलंगाना सरकार पहले से ही व्यापक स्तर पर तैयारियां कर रही है।

वर्षा के लिए कोंडागट्टू अंजना मंदिर में वरुण जप और यज्ञ का आयोजन

पेद्दापल्ली / कोंडागट्टू, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अल–नीनो के प्रभाव से राज्य में बनी वर्षा की कमी को दूर करने और अच्छी बारिश की कामना को लेकर कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में वरुण जप और वरुण यज्ञ का आयोजन किया गया।

बंदोबस्ती विभाग के निर्देश पर मंगलवार सुबह मंदिर में स्थानाचारी कपिंदर, मुख्य पुजारी रामकृष्ण, उप मुख्य पुजारी चिरंजीवी, मारुति प्रसाद और चिन्ना रामू तथा वैदिक विद्वानों राजेश्वर शर्मा, पेद्दना शर्मा और तेजा शर्मा के नेतृत्व में विधि–विधान से वरुण जप और यज्ञ संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री अंजनेयस्वामी का विशेष अभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वैज्ञानिक पद्धति से आयोजित यज्ञ में राज्य के लोगों की सुख–समृद्धि, समय पर भरपूर वर्षा, किसानों के हित और फसलों की अच्छी पैदावार के लिए प्रार्थना की गई।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | बुधवार, 22 जुलाई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-200

राहुल-प्रियंका अरेस्ट

मोदी आवास पर धरने की साज़िश

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।
कांग्रेस ने मंगलवार को ऐसा राजनीतिक दांव चला, जिसने सरकार, सुरक्षा एजेंसियों और मीडियातीनों को चौंका दिया। अवसर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 84वें जन्मदिन का था, लेकिन इसी बहाने पार्टी के शीर्ष नेताओं की बैठक बुलाई गई और फिर अचानक पूरी कांग्रेस नेतृत्व टीम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकारी आवास 7, लोक कल्याण मार्ग की ओर कूच कर गई।

राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसदों और वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की।

दरअसल, मंगलवार दोपहर जब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के 10, राजाजी मार्ग स्थित आवास पहुंचे, तो सभी को यही लगा कि वे कांग्रेस अध्यक्ष का जन्मदिन मनाने आए हैं। मंगलवार को खड़गे 84 वर्ष के हो गए। लेकिन कुछ ही देर बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला अचानक प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ गया।

खड़गे के आवास से प्रधानमंत्री आवास की दूरी करीब 2.3 किलोमीटर है। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से मीडिया और सुरक्षा एजेंसियां दोनों हैरान रह गईं।

प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना, सरकार के खिलाफ लगाए नारे

प्रधानमंत्री आवास के निकट पहुंचकर कांग्रेस नेताओं ने धरना शुरू कर दिया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस ने सोमवार को संसद मार्च के दौरान छात्र संगठन सीजेपी के प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग उठाई। पार्टी का आरोप था कि छात्रों और युवाओं की आवाज को दबाया जा रहा है। ▶8 पर

सरकार खुद आए बातचीत के लिए : अभिजीत

संसद मार्च में घायल प्रदर्शनकारियों से मांगी माफी

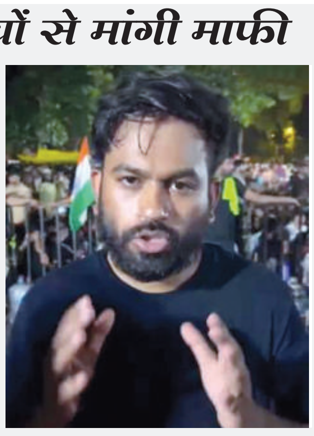

दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धरना-प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने स्पष्ट कहा कि अब उनकी ओर से सरकार से बातचीत के लिए कोई प्रतिनिधि नहीं जाएगा। यदि सरकार संवाद करना चाहती है तो उसे स्वयं जंतर-मंतर आकर प्रदर्शनकारियों से बात करनी होगी। धरने को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने संसद मार्च के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को कानूनी सहायता की आवश्यकता है, वे उनकी टीम से संपर्क करें। पार्टी की ओर से उन्हें हरसंभव कानूनी और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।इस बीच दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हिरासत में लिए गए सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा कर दिया। ▶8 पर

राहुल के प्रदर्शन पर प्रधान का पलटवार

प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में हुए धरना-प्रदर्शन पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर छात्रों के मुद्दों का राजनीतिक लाभ उठाने तथा उन्हें राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य छात्रों की समस्याओं का समाधान निकालना नहीं, बल्कि राजनीतिक सुर्खियां बटोरना और अशांति फैलाना था। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस मानसून सत्र के दौरान छात्रों का राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, राहुल गांधी और कांग्रेस ने प्रधानमंत्री आवास ▶8 पर

सीजेपी प्रवक्ता बर्खास्त

बच्चे खा रहे थे लाठी, दहिया बर्गर

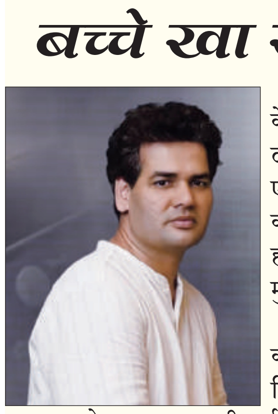

दिल्ली में आयोजित संसद मार्च के दौरान विवादित वीडियो सामने आने के एक दिन बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को पद से हटा दिया है। पार्टी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में दहिया के व्यवहार को असंवेदनशील बताते हुए कहा कि यह आंदोलन के मूल्यों और सिद्धांतों के खिलाफ है। इसके साथ ही उन्हें प्रवक्ता पद सहित संगठन की सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया।

सीजेपी ने अपने बयान में कहा कि जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और पार्टी की टीम दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का सामना कर रही थी, उसी दौरान विजेता दहिया के बर्गर खाते हुए कथित वीडियो सामने आए। पार्टी के अनुसार, ऐसा व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। यह समझदारी की कमी को दर्शाता है और हमारे आंदोलन के मूल्यों तथा सिद्धांतों से पूरी तरह असंगत है।

20 जुलाई को सीजेपी ने दिल्ली में संसद मार्च का आयोजन किया था। प्रदर्शन के दौरान कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग, लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग किया। इसी दौरान सोशल मीडिया पर विजेता दहिया के कुछ कथित वीडियो वायरल होने लगे। इन वीडियो में दहिया कथित तौर पर प्रदर्शन स्थल से दूर एक फास्ट फूड आउटलेट पर बर्गर खाते दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य वायरल वीडियो में कुछ लोग उनसे यह सवाल करते नजर आते हैं कि जब प्रदर्शनकारी पुलिस कार्रवाई का सामना कर रहे थे, तब वे वहां क्यों मौजूद नहीं थे। हालांकि, इन वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

वांगचुक मेदांता में शिफ्ट

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से डिस्चार्ज कर गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, उन्हें मंगलवार शाम 6:40 बजे छुट्टी दे दी गई। साथ ही उनकी मेडिकल रिपोर्ट तथा इलाज से जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज मेदांता अस्पताल की मेडिकल टीम को सौंप दिए गए।

सफदरजंग अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, डिस्चार्ज के समय सोनम वांगचुक के सभी प्रमुख स्वास्थ्य संकेत स्थिर थे। हालांकि, उनके शरीर में पैन्साइटोपेनिया (खून की कोशिकाओं में कमी) की समस्या अभी भी बनी हुई है। इसके अलावा उनके शरीर में पोटेशियम का स्तर 3.4 mEq/L दर्ज किया गया, जो सामान्य से कम है। इलाज में किसी प्रकार का व्यवधान न आए, इसके लिए उनकी पूर्व मेडिकल जांच रिपोर्ट और उपचार संबंधी सभी रिकॉर्ड पहले ही मेदांता अस्पताल के चिकित्सकों को उपलब्ध करा दिए गए हैं। इससे पहले मंगलवार दोपहर सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक को तत्काल ▶8 पर

केतन अग्रवाल हत्याकांड : हत्या को हादसा दिखाने की थी योजना

पुणे, 21 जुलाई (एजेंसियां)।
पुणे के बहुचर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में पुलिस ने कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। जांच के अनुसार, केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके मित्र चेतन चौधरी ने कथित हत्या की योजना बनाने से पहले कई स्थानों की रेकी की थी। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने हत्या को दुर्घटना का रूप देने के उद्देश्य से पूरी साजिश बेहद सुनियोजित तरीके से तैयार की थी।

पुलिस जांच के अनुसार, शुरुआत में आरोपियों की योजना केतन को किसी दुर्घटना में केवल घायल करने की थी, ताकि उसकी प्रस्तावित बाली यात्रा टल जाए। हालांकि, बाद में दोनों को आशंका हुई कि यदि केतन बच गया तो पूरी साजिश का खुलासा हो सकता है। इसके बाद उन्होंने कथित तौर पर उसकी हत्या करने का फैसला किया।

जांच में सामने आया है कि सिया और चेतन ने हत्या की योजना को अंजाम देने से पहले टाइगर पॉइंट, विसापुर किला और लोहागढ़ किला सहित कई स्थानों का सर्वे किया था। दोनों ने इन स्थानों की तस्वीरें आपस में साझा कीं और इंटरनेट पर अपराध से जुड़ी फिल्में तथा हत्या के तरीकों के बारे में भी जानकारी खोजी।पुलिस के अनुसार, अंततः लोहागढ़ किले को इसलिए चुना गया क्योंकि वहां की खतरनाक ढलान से किसी को धक्का देकर घटना को दुर्घटना का रूप देना अपेक्षाकृत आसान माना गया। ▶8 पर

रानी देवी मौत प्रकरण

डीजीपी ने माँगी कार्रवाई रिपोर्ट

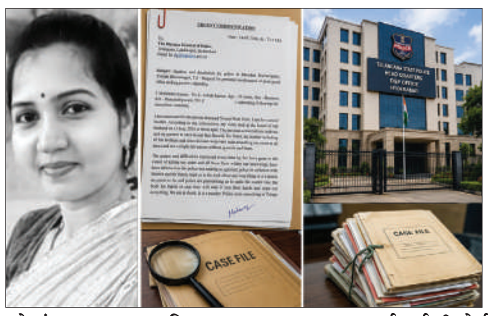

ओम प्रकाश सिरवी
यादाद्री-भुवनगिरि, 21 जुलाई।
पोचमपल्ली-चौट्टप्पल थाना क्षेत्र में रानी देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु का मामला अब केवल स्थानीय पुलिस तक सीमित नहीं रहा है। इस प्रकरण में तेलंगाना पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय ने औपचारिक रूप से हस्तक्षेप करते हुए म्रतका भाई शिकायतकर्ता महेन्द्र कुमार की आपात शिकायत का पंजीकरण कर लिया है। इतना ही नहीं, शिकायत को याचिका संख्या DGP/COORD/210726/08161 के तहत दर्ज कर सीधे यादाद्री भुवनगिरि जिला पुलिस को भेजा गया है और स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि मामले में अब तक की गई कार्रवाई की विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट तत्काल डीजीपी (तेलंगाना पुलिस मुख्यालय) कार्यालय को भेजी जाए। यह घटनाक्रम इसलिए महत्व-पूर्ण माना जा रहा है क्योंकि किसी गंभीर प्रकरण में तेलंगाना राज्य पुलिस मुख्यालय द्वारा कार्रवाई रिपोर्ट तलब किए जाने का अर्थ यह होता है कि अब जांच की प्रगति पर उच्च स्तर से भी प्रशासनिक निगरानी रहेगी। ऐसे मामलों में स्थानीय पुलिस को शिकायत के प्रत्येक बिंदु का परीक्षण कर उसका तथ्यात्मक उत्तर देना पड़ता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका रानी देवी के सगे भाई महेन्द्र कुमार ने घटना के अगले ही दिन 14 जुलाई 2026 को शाम लगभग 7:15 बजे डीजीपी कार्यालय को आपात शिकायत पत्र लिखकर भेजा था, शिकायत में उन्होंने कहा था कि उनकी बहन की 13 जुलाई 2026 को शाम लगभग 4 बजे ससुराल में मृत्यु हुई। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए आशंका व्यक्त की थी कि मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ स्तर की निगरानी आवश्यक है। डीजीपी कार्यालय ने शिकायत प्राप्त होने के बाद उसका परीक्षण किया और 21 जुलाई 2026 को उसे विधिवत पंजीकृत कर संबंधित जिला पुलिस को अग्रेषित कर दिया। आधिकारिक संचार में जिला पुलिस को निर्देश दिया गया है कि शिकायत में उठाए गए प्रत्येक बिंदु पर की गई कार्रवाई का विवरण डीजीपी कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए। इससे स्पष्ट है कि अब जांच की दिशा और प्रगति का रिकॉर्ड राज्य स्तर पर भी देखा जाएगा। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^{0}
न्यूनतम : 24^{0}

अयोध्या चढ़ावाकाँड अक्षम्य

कोर्ट चाहता है आरोपियों की फाँसी

प्रयागराज, 21 जुलाई (एजेंसियां)।
अयोध्या राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण पर सुनवाई के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे भारतीय समाज के नैतिक पतन की पराकाष्ठा बताया। न्यायालय ने कहा कि यदि भगवान राम के मंदिर में चढ़ाए गए चढ़ावे की चोरी जैसी घटना भी लोगों को विचलित नहीं करती, तो यह समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन ने सुझाव दिया कि सरकार को भ्रष्टाचार संबंधी कानूनों में संशोधन पर विचार करना चाहिए, ताकि गंभीर भ्रष्टाचार के मामलों में दोषियों के लिए मृत्युदंड जैसे कठोर दंड का प्रावधान किया जा सके।

बुलडोजर कार्रवाई की सुनवाई के दौरान की टिप्पणी

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने एक बुलडोजर कार्रवाई से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान की। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन ने कहा कि राममंदिर चढ़ावा चोरी का मामला समाज में नैतिक मूल्यों के लगातार गिरते स्तर को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यदि राममंदिर के चढ़ावे की चोरी से भी किसी को फर्क नहीं पड़ता, तो फिर उसे किसी भी बात पर शर्म नहीं आ सकती। यह हमारे समाज के नैतिक पतन की पराकाष्ठा है।

न्यायमूर्ति श्रीधरन ने यह भी कहा कि आम भारतीय समाज में भ्रष्टाचार को सामान्य मान लिया गया है और लोग उसे तब तक गलत नहीं मानते, जब तक कोई व्यक्ति पकड़ा न जाए। ▶8 पर

सिक्किम टनल हादसे में 20 मजदूरों की मौत

प्रवेश द्वार मलबे से बंद, मीथेन गैस रिसाव से बचाव अभियान चुनौतीपूर्ण

गंगटोक, 21 जुलाई (एजेंसियां)।
सिक्किम के नामची जिले में निर्माणाधीन सुरंग पर सोमवार को हुए भीषण भूस्खलन (लैंडस्लाइड) में बड़ा हादसा हो गया। मलबा गिरने से सुरंग का प्रवेश द्वार पूरी तरह बंद हो गया, जिससे भीतर काम कर रहे 27 मजदूर फंस गए। अब तक 20 मजदूरों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 7 मजदूर अभी भी सुरंग के भीतर फंसे हुए हैं। मृतकों में तीन की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। यह हादसा नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में हुआ, जहां निर्माण कार्य चल रहा था।

नामची की पुलिस अधीक्षक सोनम डोल्मा ने बताया कि सुरंग के भीतर फंसे मजदूरों की संख्या 27 से कम या अधिक भी हो सकती है, क्योंकि अंतिम उपस्थिति का सत्यापन किया जा रहा है।

प्रशासन के अनुसार, सुरंग के भीतर मीथेन गैस के रिसाव की आशंका है। गैस के प्रभाव के कारण कई बचावकर्मियों को सुरंग के अंदर जाते समय चक्कर आने लगे, जबकि कुछ कर्मी बेहोश भी हो गए। इससे राहत एवं बचाव अभियान प्रभावित हुआ है और अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है।

जिला अधिकारी तमलिंग ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 3:40 बजे प्रशासन को हादसे की सूचना मिली। इसके तुरंत बाद एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, जिला पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सुरंग में पटेल इंजीनियरिंग कंपनी के 21 तथा एनएचपीसी के 6 श्रमिक मौजूद थे। ▶8 पर

कैसे करनी चाहिए आरती

पूजा के अन्त में आरती की जाती है। पूजन में जो त्रुटि रह जाती है, आरती से उसकी पूर्ति होती है। पूजन मन्त्रहीन और क्रियाहीन होने पर भी आरती कर लेने से उसमें सारी पूर्णता आ जाती है । आरती करने का ही नहीं, आरती देखने का भी बडा पुण्य होता है। जो धूप और आरती को देखता है और दोनों हाथों से आरती लेता है, वह भगवान् विष्णु के परमपत को प्राप्त होता है।

साधारणत: पाँच बत्तीयों से आरती की जाती है, इसे ' पंचप्रदिप' भी कहते है। एक सात या उससे भी अधिक बत्तीयों से भी आरती की जाती है। कपूर से भी आरती होती है। कुमकुम, अगर, कपूर धुत और चन्दन, पाँच बत्तीयों अथवा दीए की (रुई और घी की) बत्तियाँ बनाकर शंख, घंटा आदि बजाते हुआ आरती करनी चाहिए। आरती उतारते समय सवर्प्रथम भगवान् की प्रतिमा के चरणों में उसे चार बार घुमाएँ, दो बार नाभिदेश में, एक बार मुखमण्डल पर और सात बार समस्त अंगों पर घुमाए। यथार्थ में आरती, पूजन के अन्त में इष्ट देवता की प्रसन्नता हेतु की जाती है। इसमें इष्टदेव को दीपक दिखाने के साथ ही उनका स्तवन तथा गुणगान किया जाता है।

संध्या वंदन

संध्या वंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। संधिकाल में ही संध्या वंदन की जाती है। वैसे संधि 5 वक्त (समय) की होती है, लेकिन प्रातःकाल और संध्याकाल- उक्त दो समय की संधि प्रमुख है अर्थात सूर्य उदय और अस्त के समय। वेदों के अनुसार इस समय मंदिरमें आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 5 प्रकार हैं- (1) प्रार्थना, (2) ध्यान, (3) कीर्तन, (4) यज्ञ और (5) पूजा-आरती। व्यक्ति की जिस में जैसी श्रद्धा है वह वैसा करता है। लेकिन इन पांचों में किसका ज्यादा महत्व है, यह भी जानना जरूरी है।

यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है, इससे समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व है। हर एकादशी का अपना विशिष्ठ नाम व महत्व धर्म ग्रंथों में लिखा है। इसी क्रम में वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस एकादशी का फल सभी एकादशियों से बढकर है। इस दिन जो उपवास रखते हैं, उन्हें 10 हजार वर्षों की तपस्या के बराबर फल प्राप्त होता है व उनके सारे पापों का नाश हो जाता है। जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। मनुष्य को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, मृत्यु के बाद उसे मोक्ष भी प्राप्त हो जाता है। इस व्रत की विधि इस प्रकार है-

व्रत विधि वरुथिनी एकादशी की सुबह स्नान आदि करने के बाद शुद्ध होकर संयमपूर्वक उपवास करना चाहिए। रात्रि जागरण करते हुए भगवान मधुसूदन यानी श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा भी पूरी विधि के साथ करते हुए विष्णु सहस्त्रनाम का जाप और उनकी कथा सुननी चाहिए। व्रत के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि को व्रती (व्रत करने वाला) को एक बार हविष्यान्न (यज्ञ में अर्पित अन्न) का भोजन करना फलदायी होता है। व्रत के अगले दिन यानी द्वादशी को ब्राहमणों को भोजन करवाना चाहिए। उसके बाद स्वयं भोजन करना चाहिए।

ये है वरुथिनी एकादशी व्रत की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा नदी के किनारे राजा मांधाता राज करते थे। एक बार वे जंगल में तपस्या कर रहे थे, उसी समय एक भालू आया और उनके पैर खाने लगा। मांधाता तपस्या करते रहे। उन्होंने भालू पर न तो क्रोध किया और न ही हिंसा का सहारा लिया। पीडा असहनीय होने पर उन्होंने भगवान विष्णु को स्मरण किया। तब भगवान विष्णु ने वहां उपस्थित हो उनकी रक्षा की। पर भालू द्वारा अपने पैर खा लिए जाने से राजा को बहुत दु:ख हुआ। भगवान ने उससे कहा- हे वत्स दु:खी मत हो। भालू ने जो तुम्हें काटा था, वह तुम्हारे पूर्व जन्म के बुरे कर्मों का फल था। तुम मथुरा जाओ और वहां जाकर वरुथिनी एकादशी का व्रत रखो। तुम्हारे पैर फिर से वैसे ही हो जाएंगे। राजा ने आज्ञा का पालन किया और पुनः सुंदर अंगों वाला हो गया।

हिंदू धर्म में एकादशी का बहुत अधिक महत्व है। शास्त्रों के के अनुसार माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से कई गुना अधिक फल मिलता है। इसी तरह इस माह वरुथिनी एकादशी है जिसके बारें में माना जाता है कि सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। वह इस दिन प्रात: स्नान करके भगवान को स्मरण करते हुए विधि के साथ पूजा करें और उनकी आरती करनी चाहिए साथ ही उन्हें भोग लगाना चाहिए। इस दिन भगवान नारायण की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही ब्राहमणों तथा गरीबों को भोजन या फिर दान देना चाहिए। यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है। इस व्रत को करने से समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है।

सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याए दूर होती है

सम्मोहन कृष्णा मन्त्र। श्री कृष्ण का यह एक दुर्लभ स्वरुप है। इस स्वरुप में राधा और कृष्णा एक साथ एक ही रूप में जुडे हुए है। शिव पारवती के अर्धनारीश्वर रूप से मिलता जुलता यह स्वरुप है। इस चाबी के साथ ही सम्मोहन कृष्णा मंत्र का जाप किया जाता है।

सम्मोहन कृष्णा मंदिर मोहनर, तमिल नाडु में है तथा मंत्र निम्नलिखित है -

II श्रि सम्मोहन गोपल मन्थ्रम् II
क्रिस्श्नम् कमलपथ्राक्षम् धिव्याभर्न भूशिथम् I
थ्रिबन्कि ळलिथाकारम् अथिसुन्थर मोहनम् II
बाकम् धक्षिनम्पुरुशम् अन्यथ् स्थ्रे रूपिनम् थधा I
सन्कम् छक्रम् सान्कुसन्च्ज पुश्पभानम्छ पन्कजन् II
इक्षुसापम् वेनुवाध्यम्छ धारयन्थम् पुजाश्तकै:I
स्वेधगन्थानु लिप्थान्कम् पुश्पवस्थ्र थ्रकुज्वलम् II
सर्व कामार्थ्थ सिध्यर्थम् मोहनम् क्रिश्नमास्त्रये //

सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याए दूर होती है , मनचाहा जीवन साथी प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन में सद्भाव बना रहता है।

सीता जी से सीखिए गृहस्थी का मैनेजमेंट

सीता का समर्पण:

श्रीरामचरित मानस में एक प्रसंग है। जब श्रीराम और सीता ने विवाह के बाद पहली बार बात की तो राम ने सीता को वचन दिया कि वे जीवनभर उन के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उनके जीवन में कभी कोई दूसरी स्त्री नहीं आएगी। सीता ने भी वचन दिया कि हर सुख और दुख में वे साथ रहेंगी। श्रीराम और सीता ने पहली बातचीत में भरोसे और समर्पण का वादा किया।

श्रीराम का वनवास गमन:

जब श्रीराम को वनवास जा रहे थे तब वह चाहते थे सीता जी मां कौशल्या के पास ही रुक जाएं। जबकि सीता श्रीराम के साथ वनवास जाना चाहती थीं। कौशल्या भी चाहती थीं कि सीता वनवास न जाए। इस विषय पर सीता की इच्छा और श्रीराम, कौशल्या की इच्छा अलग-अलग थी। आज के समय में सास, बहू और बेटा, इन तीनों के बीच मतभेद होते हैं तो परिवार में तनाव बढ जाता है, लेकिन रामायण में श्रीराम के धैर्य, सीताजी और कौशल्याजी की समझ से सभी मतभेद दूर हो गए।

ऐसे समझी राम के मन की बात:

केवट की नाव में जब सीता ने श्रीराम के चेहरे पर संकोच के भाव देखे तो सीता ने तुरंत ही अपनी अंगूठी उतारकर उस केवट को भेंट में देनी चाही, लेकिन केवट ने अंगूठी नहीं ली। केवट ने कहा कि वनवास पूरा करने के बाद लौटते समय आप मुझे जो भी उपहार देंगे मैं उसे प्रसाद समझकर स्वीकार कर लूंगा।

ऐसे में सीता जी की इन 6 बातों को यदि जिंदगी में शामिल किया जाए, तो दांपत्य जीवन सुंदर बनाया जा सकता है।

चेहरे पर संकोच :

श्रीराम के चेहरे पर संकोच के के भाव देखते ही समझ सीता जी समझ गईं कि राम, केवट को कुछ भेंट देना चाहते हैं, लेकिन उनके पास देने के लिए कुछ नहीं था। यह बात समझते ही सीता ने अपनी अंगूठी उतारकर केवट को देने के लिए आगे कर दी।

श्रीरामचरितमानस के इस प्रसंग में उल्लेखित है कि पति और पत्नी के बीच ठीक इसी प्रकार की समझ होनी चाहिए। वैवाहिक जीवन में दोनों की आपसी समझ जितनी मजबूत होगी, वैवाहिक जीवन उतना ही ताजगीभरा और आनंददायक बना रहेगा।

वन में रहे साथ :

सीता जी और राम जी वन में साथ रहे उनकी यह बात इंगित करती है कि पति-पत्नी गृहस्थी की धुरी होते हैं। इनकी सफल गृहस्थी ही सुखी परिवार का आधार होती है। अगर पति-पत्नी के रिश्ते में थोडा भी दुराव या अलगाव है तो फिर परिवार कभी खुश नहीं रह सकता। परिवार का सुख, गृहस्थी की सफलता पर निर्भर करता है।

सीता में थे ये सभी गुण:

स्त्री में ऐसे कई श्रेष्ठ गुण होते हैं जो पुरुष को अपना लेना चाहिए। प्रेम, सेवा, उदारता, समर्पण और क्षमा की भावना स्त्रियों में ऐसे गुण हैं, जो उन्हें देवी के समान सम्मान और गौरव प्रदान करते हैं।

ये शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है

पारद शिवलिंग पूजन विधि एवं साधना घर में पारद शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है। दुकान, ऑफिस व फैक्टरी में व्यापारी को बढाने के लिए पारद शिवलिंग का पूजन एक अचूक उपाय है। शिवलिंग के मात्र दर्शन ही सौभाग्यशाली होता है। इसके लिए किसी प्राणप्रतिष्ठा की आवश्कता नहीं हैं। पर इसके ज्यादा लाभ उठाने के लिए पूजन विधिक्त की जानी चाहिए। सर्वप्रथम शिवलिंग को सफेद कपडे पर आसन पर रखें। स्वयं पूर्व-उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठ जाए। अपने आसपास जल, गंगाजल, रोली, मोली, चावल, दूध और हल्दी, चन्दन रख लें। सबसे पहले पारद शिवलिंग के दाहिनी तरफदीपक जला कर रखो। थोडा सा जल हाथ में लेकर तीन बार निम्न मन्त्र का उच्चारण करके पी लें। प्रथम बार ऊँ मुत्युभजाय नम: दूसरी बार ऊ नीलकण्ठाय: नम: तीसरी बार ऊँ रूद्राय नम: चौथी बार ऊँ शिवाय नम: हाथ में फूल और चावल लेकर शिवजी का ध्यान करें और मन में ऊँ नम: शिवायक्क्क का 5 बार स्मरण करें और चावल और फूल को शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करते रहे। फिर हाथ में चावल और पुष्प लेकर ऊँ पार्वत्यै नम:क्क्क मंत्र का उच्चारण कर माता पार्वती का ध्यान कर चावल पारा शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करें। फिर मोली को और इसके बाद बनेऊ को पारद शिवलिंग पर चढा दें।

इसके पश्चात हल्दी और चन्दन का तिलक लगा दे। चावल अर्पण करे इसके बाद पुष्प चढा दें। मीठे का भोग लगा दे। भांग, धतूरा और बेलपत्र शिवलिंग पर चढा दें। फिर अन्तिम में शिव की आरती करे और प्रसाद आदि ले लो। जो व्यक्ति इस प्रकार से पारद शिवलिंग का पूजन करता है इसे शिव की कृपा से सुख समृद्धि आदि की प्राप्ति होती है। भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है। शुक्रवार के दिन किसी स्वच्छ पात्र में पारद-पारस गुटिका स्थापित कर दें, फिर एक सौ आठ कमल के ताजे पुष्प पहले से ही मंगा कर पास रख लें फिर एक कमल का पुष्प हाथ में लें और निम्न मंत्र का ग्यारह बार उच्चारण कर, कमल का पुष्प पारद-पारस गुटिका पर चढा दें। प्रयोग सम्पन्न होने पर उन कमल की पंखुडियों को पूरे घर में बिखरे दें। अभाववश कमल के पुष्प की जगह गुलाब का पुष्प भी प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र इस प्रकार है - ऊँ ऐं ऐं श्रीं श्रीं हीं हीं ऊँ इस प्रकार श्रावणमास में यह प्रयोग सात दिन तक करने पर व्यापार में आश्चर्यजनक वृद्धि होने लगती है और जीवन में आकस्मिक एवं अतुलनीय धन प्राप्त होता है। इस अभिषेक से प्राप्त जल अनेक बीमारियों को नष्ट करने वाला होता।

भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है।

सूर्य नमस्कार की दिलचस्प यात्रा...

सूर्य नमस्कार को हम विवाद के जरिए ही जानने लगे हैं, लेकिन सूर्य नमस्कार करना और इसके बारे में जानना दोनों ही आपको दिलचस्प यात्राओं पर ले जाता है। आपका शरीर स्थिर होते हुए भी सक्रिय हो जाता है। सूर्य नमस्कार को किसी योग्य गुरु की संगत में ही सीखा जाना चाहिए। सूर्य नमस्कार 12 शारीरिक स्थितियों से बना है। लेकिन इन स्थितियों से गुजरते हुए आपको अपने शरीर का ध्यान करना चाहिए। अपनी चेतना को सिर से प्रारम्भ करते हुए पैर तक घुमाएं। जिस प्रकार एक टॉर्च आप अंधेरे में घुमाते हुए कमरे में पड़ी अलग-अलग चीजों को देखते हैं। उसी तरह आप अपनी चेतना को पैर के तलवों पर ले जायें और भूमि और तलवों के सम्पर्क बिन्दुओं का अनुभव करें। बिना इस स्थिति को हासिल किये सूर्य नमस्कार शुरू ही नहीं किया जा सकता है। बेहतर है कि आप सूर्य नमस्कार सूर्योदय के वक्त करें और खाली पेट करें। दिन में कभी भी कर सकते हैं, लेकिन पेट खाली होना चाहिए। सूर्य नमस्कार के हर आसन के साथ मंत्र भी दिये गए हैं। प्रणामासन, हस्त उत्तानासन, पादहस्तासन, अश्वसंचालन, पर्वतासन, अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन, पर्वतासन, अश्वसंचालन, पादहस्तासन, हस्त उत्तानासन और फिर प्रणामासन। प्रणामासन से आरंभ और उसी पर अंत यानी जहां से चले थे वहीं लौट कर आना है। इसे सूर्य नमस्कार की आधी आवृत्ति कहते हैं। जब आप इसे दो बार करेंगे तो एक गिना जाएगा। एक आवृत्ति के लिए 24 स्थितियां हैं। 12 आसनों का एक समूह होता है, जिसे आपको दो बार करना है। इस तरह से आप 4 या 6 बार करें और फिर धीरे-धीरे आवृत्तियों को बढ़ाते जाएं। सूर्य नमस्कार के अभ्यास में सभी 24 आसनों को बिना रुके एक ही बार में पूरा करना चाहिए। इस बात का ख्याल रखिये कि किस आसन के साथ सांस भीतर लेनी है या बाहर छोड़नी है। 6 आसन धीरे-धीरे करें और 6 को कुछ तेज गति से। सूर्य नमस्कार के अभ्यास में शरीर पर आवश्यकता से अधिक जोर न डालना एक महत्वपूर्ण बात है।

सूर्य नमस्कार के बाद

सूर्य नमस्कार के बाद खड़े-खड़े मूल स्थिति में ही कुछ सेकेंड तक गहराई से सांस लेनी चाहिए फिर शवासन में पीठ के बल लेट जाना चाहिए। इस आसन की भी अपनी एक प्रक्रिया और सावधानियां हैं। सूर्य नमस्कार के हर आसन का शरीर के अलग फायदे हैं। हस्त उत्तानासन से मोटापा कम होता है। पादहस्तासन से लीवर, गुर्दा की मालिश हो ती है। कब्ज की बीमारी दूर होती है। मस्तिष्क में रक्त प्रवाह बढ़ता है।

संतुलन कायम

शरीर, मन, लय, विचार और जीवन शैली इन सबमें आप सूर्य नमस्कार के जरिए संतुलन कायम कर सकते हैं। योग से आपको जगत की दृष्टि ही नहीं मिलती बल्कि शरीर-संसार को भी आप जानने लगते हैं। उसके केंद्रों को साधने लगते हैं। सूर्य नमस्कार चढ़ते सूरज को नमस्कार नहीं है, बल्कि सूरज की गति के साथ अपनी शारीरिक और मानसिक दिनचर्या को साधने की कला है। इसे करते हुए खूब आनंद आता है। योग किसी पर थोपा नहीं जा सकता। उसे अपने भीतर के अनुशासन से साधा जाता है। यह बाहरी प्रचार के लिए नहीं है। आत्मिक संसार में विचरण करने के लिए हैं। इसलिए योग जरूर कीजिए।

क्लेशों से बचने का रास्ता...

जब योग की बात हो रही है तो केवल एक दिन रस्मी तौर पर कुछ व्यायाम कर लेने से बात नहीं बनेगी। इसके लिए योग की गहराई को समझना होगा। महर्षि पतंजलि को समझना होगा। उनके योगसूत्र को समझना होगा। प्राचीन भारत में पतंजलि काल को योग का 'क्लासिकल पीरियड' माना जाता है। पतंजलि के कुछ सदियों बाद यानी 800-1800 ईसवीं में योग के विकास ने एक दिलचस्प मोड़ लिया। इस काल में बहुत से गुरु सामने आए जिन्होंने सामाजिक जरूरतों से खुद को ज्यादा से ज्यादा जोड़ना शुरू कर दिया। योग धीरे-धीरे सामूहिक आंदोलनों में परिणत हो गया। वास्तव में योग सभी क्लेशों से बचने का रास्ता है। इसलिए योग के लक्ष्य को जानने का प्रयास है यह आलेख।

योग को योग शास्त्र बनाने का श्रेय महर्षि पतंजलि को है। पतंजलि ने करीब 2200 साल पहले लिखी थी योग सूत्र। योग ज्ञान के बारे में माना जाता है कि यह सबसे पहले ब्रह्मा ने सूर्य को दिया था। सूर्य से नारद और नारद से पृथ्वी पर मनु को यह ज्ञान मिला था। इसके बाद से धीरे-धीरे पृथ्वी पर योग फैला। पतंजलि के योगशास्त्र में योग के आठ आसनों के बारे में विस्तार से बताया गया है। पतंजलि के बाद योग का प्रचलन बढ़ा और संस्थानों, पीठों तथा आश्रमों में योग होने लगा। वहीं 15वीं शताब्दी के आस पास लिखी हठ प्रदीपिका और घेरंड संहिता भी योग की प्रामाणिक पुस्तकें हैं। भारत में योग का प्रमाण लगभग पांच हजार साल से है। सिंधु घाटी सभ्यता से जुड़े स्थलों में इससे जुड़े कई प्रमाण भी मिले हैं। 1920 में पंजाब और हरियाणा समेत पाकिस्तान के सिंधु प्रांत में हुई खुदाई में योग की परंपरा होने के सबूत मिलते हैं। सिंधु घाटी सभ्यता को 3300-1700 ई.पू. का माना जाता है। वेद- पुराणों मन को शांत और स्वस्थ रखने के लिए ध्यान और प्राणायाम का वर्णन है। कुछ विद्वान वेदों की उत्पत्ति काल दस हजार वर्ष पूर्व भी मानते हैं, लेकिन स्पष्ट है कि वेद के साथ ही योग की उत्पत्ति हुई थी और गुरु-शिष्य परम्परा के माध्यम से योग ज्ञान एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को मिलता रहा।

पतंजलि का योगदान

अनादिकाल से इस देश में योग विद्या का प्रचार रहा है। पुराने उपनिषदों में योगविद्या का उल्लेख है और बाद के उपनिषदों में तो यही मुख्य विषय है। पतंजलि ने इन प्राचीन ग्रंथों में बिखरी हुई योगविद्या को सुव्यवस्थित रूप दिया। इसलिए उन्हें योग का जन्मदाता माना जाता है। वर्तमान समय में योग के जिस रूप को प्रसिद्धि मिल रही उसकी वैदिक परंपरा में आधारशिला महर्षि पतंजलि ने रखी थी। अपनी असाधारण कृति 'योगसूत्र' में उन्होंने योग के मूल सिद्धांत और व्यवहार-विधान को संहिताबद्ध किया था। भारतीय संस्कृति में पतंजलि कई भूमिकाओं में देखे जाते हैं। वे सुप्रसिद्ध व्याकरणाचार्य पणिनी के शिष्य थे। वे व्याकरण के विद्वान हैं, संगीतकार हैं, गणितज्ञ हैं और एक खगोलविद् भी हैं। लेकिन इन सबसे बढ़कर पतंजलि को इस देश के महान योगियों में गिना जाता है। योगसूत्र के रचनाकार पतंजलि काशी में ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में चर्चा में थे। पतंजलि के लिखे हुए 3 प्रमुख ग्रंथ मिलते हैं योगसूत्र, पाणिनी के अष्टाध्यायी पर भाष्य और आयुर्वेद पर ग्रंथ। पतंजलि को भारत का मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक कहा जाता है। पतंजलि ने योगशास्त्र को पहली बार व्यवस्था दी और उसे चिकित्सा और मनोविज्ञान से जोड़ा। आज दुनियाभर में योग से लोग लाभ पा रहे हैं।

मन के भी चिकित्सक

पतंजलि एक महान चिकित्सक थे। पतंजलि रसायन विद्या के विशिष्ट आचार्य थे। अभ्रक, धातु योग और लौहशास्त्र इनकी देन है। पतंजलि संभवतः पुष्यमित्र शुंग (195-142 ई.पू.) के शासनकाल में थे। राजा भोज ने इन्हें तन के साथ मन का भी चिकित्सक कहा है। पतंजलि को आमतौर पर आधा आदमी और आधा सांप के रूप में दर्शाया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें शेषनाग का अवतार माना जाता है। पतंजलि शब्द का अर्थ है, 'जो अंजलि यानी हथेली में गिरा हो'। पौराणिक कथाएं बताती हैं कि पतंजलि का जन्म गर्भ से नहीं हुआ था, बल्कि वह एक छोटे से सर्प के रूप में एक खूबसूरत कन्या की हथेली पर आसमान से आ गिरे थे। ऐसा माना जाता है कि आदिपुरूष हिरण्यगर्भ ने ही मनुष्य जाति के उपकार के लिए उन्हें सबसे पहले इस विद्या का उपदेश किया था। योग दर्शन के टीकाकार वाचस्पति मिश्र ने लिखा है कि पतंजलि ने हिरण्यगर्भ द्वारा उपदिष्ट का ही पुनर्प्रतिपादन किया है।

चित्तवृत्ति का निरोध

महर्षि पतंजलि के अनुसार योगश्चितवृत्तिनिरोधः यानी चित्तवृत्ति के निरोध का नाम योग है। इसकी स्थिति और सिद्धि के निमित्त कतिपय उपाय आवश्यक होते हैं जिन्हें अंग कहते हैं और जो संख्या में आठ माने जाते हैं। अष्टांग योग के अंतर्गत प्रथम पांच अंग यम, नियम, आसन, प्राणायाम और प्रत्याहार इसके अलावा बहिरंग और शेष तीन अंग धारणा, ध्यान, समाधि अंतरंग नाम से प्रसिद्ध हैं। बहिरंग साधना यथार्थ रूप से अनुष्ठित होने पर ही साधक को अंतरंग साधना का अधिकार प्राप्त होता है। यम और नियम वस्तुतः शील और तपस्या के द्योतक हैं। यम का अर्थ है संयम जो पांच प्रकार का माना जाता है अहिंसा, सत्य, अस्तेय यानी चोरी न करना । इसी भांति नियम के भी पांच प्रकार होते हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय यानी मोक्षशास्त्र का अनुशलीन या प्रणव का जप और ईश्वर प्रणिधान यानी ईश्वर में भक्तिपूर्वक सब कर्मों का समर्पण करना। आसन से तात्पर्य है स्थिर और सुख देने वाले बैठने के प्रकार जो देहस्थिरता की साधना है। आसन जप होने पर श्वास प्रश्वास की गति के विच्छेद का नाम प्राणायाम है। बाहरी वायु का लेना श्वास और भीतरी वायु का बाहर निकालना प्रश्वास कहलाता है।

प्राणस्थैर्य की साधना

प्राणायाम प्राणस्थैर्य की साधना है। इसके अभ्यास से प्राण में स्थिरता आती है और साधक अपने मन की स्थिरता के लिए अग्रसर होता है। अंतिम तीनों अंग मन:स्थैर्य का साधना है। प्राणस्थैर्य और मन:स्थैर्य की मध्यवर्ती साधना का नाम प्रत्याहार है। प्राणायाम द्वारा प्राण के अपेक्षाकृत शांत होने पर मन का बहिर्मुख भाव स्वभावत: कम हो जाता है। फल यह होता है कि इंद्रियां अपने बाहरी विषयों से हटकर अंतर्मुखी हो जाती है। इसी का नाम प्रत्याहार है। अब मन की बहिर्मुखी गति निरुद्ध हो जाती है और अंतर्मुख होकर स्थिर होने की चेष्टा करता है। इसी चेष्टा की आरंभिक दशा का नाम धारणा है। देह के किसी अंग पर जैसे हृदय में, नासिका के अग्रभाग पर अथवा बाह्यपदार्थ पर जैसे इष्टदेवता की मूर्ति आदि पर चित्त को लगाना धारणा कहलाता है।

ध्यान की दशा

ध्यान इसके आगे की दशा है। जब उस देश विशेष में ध्येय वस्तु का ज्ञान एकाकार रूप से प्रवाहित होता है, तब उसे ध्यान कहते हैं। धारणा और ध्यान दोनों दशाओं में वृत्तिप्रवाह विद्यमान रहता है, परंतु अंतर यह है कि धारणा में एक वृत्ति से विरुद्ध वृत्ति का भी उदय होता है, परंतु ध्यान में सदृशवृत्ति का ही प्रवाह रहता है, विसदृश का नहीं। ध्यान की परिपक्व अवस्था का नाम ही समाधि है। चित्त आलंबन के आकार में प्रतिभासित होता है, अपना स्वरूप शून्यवत हो जाता है और एकमात्र आलंबन ही प्रकाशित होता है। यही समाधि की दशा कहलाती है। अंतिम तीनों अंगों का सामूहिक नाम संयम है जिसके जिसके जीतने का फल है विवेक ख्याति का आलोक या प्रकाश। समाधि के बाद प्रज्ञा का उदय होता है और यही योग का अंतिम लक्ष्य है। योगसूत्र, योग दर्शन का मूल ग्रंथ है। यह भारत के छः दर्शनों में से एक शास्त्र है और योगशास्त्र का एक ग्रंथ है। योगसूत्र के रचनाकार पतंजलि हैं। योगसूत्र में चित्त को एकाग्र करके ईश्व में लीन करने का विधान है। पतंजलि के अनुसार चित्त की वृत्तियों को चंचल होने से रोकना ही योग है।। अर्थात मन को इधर उधर भटकने न देना, केवल एक ही वस्तु में स्थिर रखना ही योग है। आस्तिक दर्शनों में योगदर्शन का महत्वपूर्ण स्थान है।

मोक्ष प्राप्त करने का उपाय

पतंजलि का योगदर्शन, समाधि, साधन, विभूति और कैवल्य इन चार पादों या भागों में विभक्त है। समाधिपाद में यह बतलाया गया है कि योग के उद्देश्य और लक्षण क्या हैं और उसका साधन किस प्रकार होता है। साधनपाद में क्लेश, कर्मविपाक और कर्मफल आदि का विवेचन है। विभूतिपाद में यह बतलाया गया है कि योग के अंग क्या हैं, उसका परिणाम क्या होता है और उसके द्वारा अणिमा, महिमा आदि सिद्धियों की किस प्रकार प्राप्ति होती है। कैवल्यपाद में कैवल्य या मोक्ष का विवेचन किया गया है। संक्षेप में योग दर्शन का मत यह है कि मनुष्य को अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश ये पांच प्रकार के क्लेश होते हैं; और उसे कर्म के फलों के अनुसार जन्म लेकर आयु व्यतीत करनी पड़ती है तथा भोग भोगना पड़ता है। पतंजलि ने इन सबसे बचने और मोक्ष प्राप्त करने का उपाय योग बतलाया है और कहा है कि क्रमश: योग के अंगों का साधन करते हुए मनुष्य सिद्ध हो जाता है और अंत में मोक्ष प्राप्त कर लेता है। ईश्वर के संबंध में पतंजलि का मत है कि वह नित्यमुक्त, एक, अद्वितीय और तीनों कालों से अतीत है और देवताओं तथा ऋषियों आदि को उसी से ज्ञान प्राप्त होता है। योगदर्शन में संसार को दु:खमय और हेय माना गया है। पुरुष या जीवात्मा के मोक्ष के लिए वे योग को ही एकमात्र उपाय मानते हैं।

योगसाधना का उपाय

पतंजलि ने चित्त की क्षिप्त, मूढ़, विक्षिप्त, निरुद्ध और एकाग्र - ये पांच प्रकार की वृत्तियां मानी है, जिनका नाम उन्होंने चित्तभूमि रखा है। उन्होंने कहा है कि आरंभ की तीन चित्तभूमियों में योग नहीं हो सकता, केवल अंतिम दो में हो सकता है। इन दो भूमियों में संप्रज्ञात और असंप्रज्ञात ये दो प्रकार के योग हो सकते हैं। जिस अवस्था में ध्येय का रूप प्रत्यक्ष रहता हो, उसे संप्रज्ञात कहते हैं। यह योग पांच प्रकार के क्लेशों का नाश करनेवाला है। असंप्रज्ञात उस अवस्था को कहते हैं, जिसमें किसी प्रकार की वृत्ति का उदय नहीं होता; अर्थात् ज्ञाता और ज्ञेय का भेद नहीं रह जाता, संस्कारमात्र बच रहता है। यही योग की चरम भूमि मानी जाती है और इसकी सिद्धि हो जाने पर मोक्ष प्राप्त होता है। योगसाधन का उपाय यह बतलाया गया है कि पहले किसी स्थूल विषय का आधार लेकर, उसके उपरांत किसी सूक्ष्म वस्तु को लेकर और अंत में सब विषयों का परित्याग करके चलना चाहिए और अपना चित्त स्थिर करना चाहिए। चित्त की वृत्तियों को रोकने के जो उपाय बतलाए गए हैं, वे इस प्रकार हैं– अभ्यास और वैराग्य, ईश्वर का प्रणिधान, प्राणायाम और समाधि, विषयों से विरक्ति आदि।

विभूति या सिद्धि

यह भी कहा गया है कि जो लोग योग का अभ्यास करते हैं, उनमें अनेक प्रकार को विलक्षण शक्तियां आ जाती है जिन्हें विभूति या सिद्धि कहते हैं। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि ये आठों योग के अंग कहे गए हैं, और योगसिद्धि के लिए इन आठों अंगों का साधन आवश्यक और अनिवार्य कहा गया है। इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत कई बातें हैं। कहा गया है जो व्यक्ति योग के ये आठो अंग सिद्ध कर लेता है, वह सब प्रकार के क्लेशों से छूट जाता है, अनेक प्रकार की शक्तियां प्राप्त कर लेता है और अंत में कैवल्य यानी मुक्ति का भागी होता है।

योग के जनक की धरती का हाल...

महर्षि पतंजलि का जन्म ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में उत्तरप्रदेश में गोंडा के वजीरगंज नामक गांव में हुआ था। वे व्याकरणाचार्य पाणिनी के शिष्य थे। पतंजलि महान चिकित्सक थे और उन्हें चरक संहिता का प्रणोता माना जाता है। योगसूत्र पतंजलि का महान अवदान है। करीब पांच हजार साल पहले गोंडा के वजीरगंज के कोडर गांव में जन्म लेने वाले योग जनक महर्षि पतंजलि की जन्मभूमि अपनी पहचान के लिए तरस रही है। इसे पर्यटन स्थल का दर्जा दिलाने के लिए दो दशक से संघर्ष कर रही श्री पतंजलि जन्मभूमि न्यास समिति केन्द्र और राज्य सरकारों को 22 बार 48 प्रस्ताव भेज चुकी है लेकिन अब तक किसी भी प्रस्ताव पर किसी सरकार का कोई जवाब नहीं मिला है।

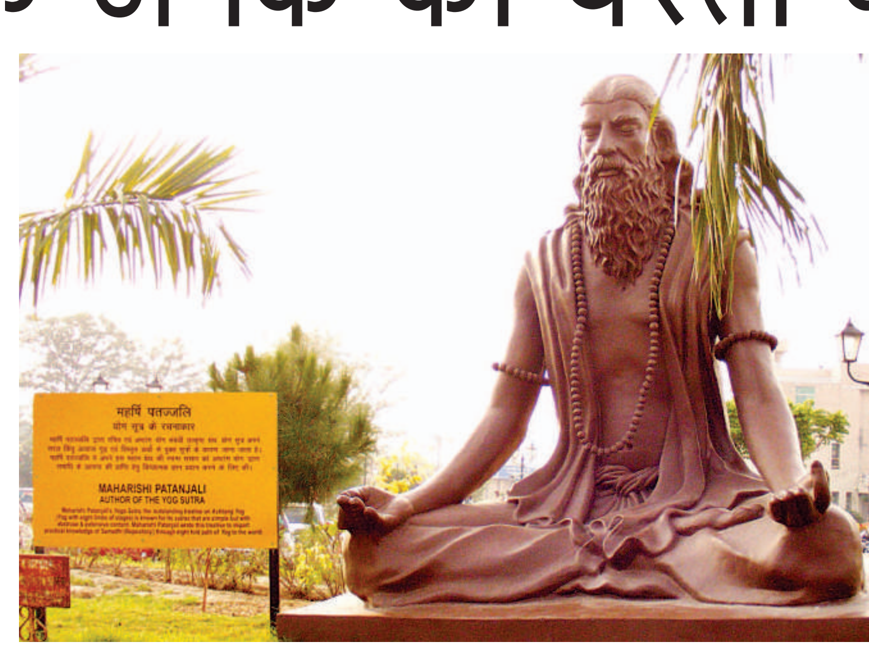

'व्याकरण महाभाक्य' में जिक्र

वजीरगंज कस्बे से सटा कोडर गांव कालांतर में सरयू नदी के तट पर बसा था। शेषावतार कहे जाने वाले महर्षि पतंजलि का जन्म इसी पौराणिक स्थल पर हुआ था। महर्षि पतंजलि का जन्म गोडिका नाम की एक कन्या से उस समय हुआ था, जब वह भगवान सूर्य को जल दे रही थी। महर्षि पतंजलि ने स्वरचित 'व्याकरण महाभाक्य' में अपनी जन्मस्थली कोडर का जिक्र भी किया है। किवदंती है कि शेषावतार के रूप में पतंजलि के जन्म लेने से पहले सरयू नदी ने यहां से अपनी चंचलता का परित्याग किया, जिसके बाद यहां कोडर झील अस्तित्व में आई। मान्यता है कि पतंजलि जन्म लेने के बाद एकांतवास से शिष्यों को उपदेश देते थे। जब गुरु के दर्शन की लालसा में एक शिष्य ने अंदर झांका, उसी दिन से सर्पाकार महर्षि अदृश्य हो गए।

योग के लिए फुर्सत कहां?

योग जैसी दुर्लभ वैज्ञानिक पद्धति से दुनिया को रूबरू कराने वाले महर्षि पतंजलि के पैतृक गांव के ग्रामीणों की योग को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं है। ग्रामीणों का कहना है, हम सारा दिन खेतों में काम करते हैं। हमें योग के लिए फुर्सत कहां है। खेती किसानी से ही हमारी कसरत हो जाती है। हालांकि कुछ स्थानीय लोगों ने महर्षि पतंजलि के नाम से एक समिति का गठन कर रखा है और क्षेत्र के विकास के लिए सरकारी मदद की तलाश में है। संस्था का मानना है कि योग की बढ़ती लोकप्रियता से पतंजलि की जन्मस्थली को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित किया जा सकता है।

संपादकीय

दलबदल अर्थात जनादेश को ठेंगा

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत नाटकीय और हास्यास्पद रही। विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस से बगावत करने वाले सांसदों को एनसीपीआई के प्रतिनिधि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। बैठक में सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष मौजूद थे। विपक्ष के सांसदों ने बहिर्गमन किया, मीडिया को अपने-अपने बयान दिए और करीब 15 मिनट के बाद बैठक में वापस भी चले गए। यह क्या हुआ? बहिष्कार करना था, तो पूरी सर्वदलीय बैठक को खारिज करना चाहिए था। यह बैठक भी महज औपचारिक होती है, क्योंकि सदन में कार्यवाही बिल्कुल उलट होती है। बहरहाल इस सत्र के दौरान कमोबेश लोकसभा में सांसदों की सीट का परिदृश्य पहले से बिल्कुल अलग दिखाई देगा। स्पीकर ओम बिरला ने 48 सांसदों की सीटें बदली हैं, जिनमें 22 सांसद द्रमुक के हैं। चूंकि तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस का संबंधविच्छेद हो चुका है, लिहाजा द्रमुक ने उनकी सीटें बदलने का आग्रह किया था। इन 48 सांसदों की सीटें सत्ता-पक्ष की तरफ हैं। क्या मान लिया जाए कि अब ये 48 सांसद सत्तारूढ़ एनडीए के प्रत्यक्ष या परोक्ष हिस्सा हो गए हैं? संसद के मानसून सत्र का आगाज हो चुका है, लिहाजा यह सच भी सामने आ ही जाएगा। यकीनन सत्र हंगामेदार होगा, क्योंकि मुद्दों को लेकर कई विरोधाभास हैं। बेशक राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी, पेपरलीक, परिसीमन, महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, ई-20 एथेनॉल विवाद, विदेश नीति, वोट चोरी और वांगचुक अनशन आदि बेहद संवेदनशील और राष्ट्रीय फलक के मुद्दे हैं, लेकिन दलबदल का राजनीतिक चलन सीधा लोकतंत्र, चुनाव प्रणाली और जनादेश के लिए गंभीर चुनौती है। बल्कि जनादेश को ठेंगा दिखाया जा रहा है। क्या संसद के भीतर ऐसे मुद्दे पर चर्चा होगी और कोई निश्चित नीति तय की जाएगी? हमारा अनुभव कहता है कि ऐसा कदापि नहीं होगा। हमने लोकतंत्र के अभी तक के इतिहास में न तो पढ़ा है और न ही संसदीय कवरेज के दौरान देखा है कि जिस पार्टी का अस्तित्व ही गुमनाम हो, अचानक उसके पाले में 20 लोकसभा सांसद आ जाएं! यह 'काला चमत्कार' ही हो सकता है! बिना चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े, बिन उम्मीदवारी के और प्रत्यक्ष जनादेश हासिल किए बिना ही 20 सांसद... ! यानी औसतन 200 विधायक.... ! बेशक यह लोकतंत्र पर कलंक है और दलबदल के जरिए राजनीतिक अस्थिरता का डरावना उदाहरण है। साफ मायने हैं कि जनादेश कुछ भी हो, यदि आप सत्ता में हैं, तो किसी भी जनादेश को तोड़-फोड़ कर सदन में अपना आंकड़ा व्यापक कर सकते हैं। स्पीकर ने तृणमूल से टूटे 20 सांसदों के एनसीपीआई में विलय को मान्यता दी है और सत्ता-पक्ष के साथ उनकी नई सीटें तय की हैं और इस नए संसदीय दल के नेता, मुख्य सचेतक भी मनोनीत किए गए हैं। क्या हम इन्हें एनसीपीआई के सांसद मानें? लोकतंत्र तो ऐसी गवाही नहीं देता, बेशक स्पीकर ने मान्यता दे दी है। स्पीकर के सामने इन बागी सांसदों को 'अयोग्य' करार देने की याचिका अब भी विचाराधीन है। स्पीकर भी तो भाजपा के निर्वाचित सांसद हैं, लिहाजा उनकी राजनीतिक निष्ठाओं की परीक्षा होती रहती है। आप उन्हें बिल्कुल 'तटस्थ' नहीं मान सकते। बहरहाल चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में ये सवालिया सांसद तृणमूल कांग्रेस के 'विजयी सांसद' हैं, जिन्हें पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अधिकृत पत्र देकर प्रत्याशी बनाया था। चुनाव में उन्हें जनादेश मिला, तो जून 2024 से अभी जुलाई, 2026 तक वे तृणमूल सांसद ही थे। कितनी भी बगावत कर लें अथवा दलबदल कर लें, लेकिन जनादेश तृणमूल प्रतिनिधि को ही दिया गया था। बेशक जनता हिसाब कर लेगी! सवाल यह है कि ऐसे लोकतांत्रिक यथार्थ को कैसे बदला जा सकता है? सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ समेत, ने भी दलबदल पर जो फैसला दिया था, उसका उल्लंघन तो 'असंवैधानिक' है। क्या स्पीकर ऐसे फैसले को नजरअंदाज कर सकते हैं? बेशक स्पीकर का निर्णय भी बेहद महत्वपूर्ण है और उसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है, लेकिन अदालतें भी लेट-लतीफ हैं। एनसीपी और शिवसेना के मामले करीब चार साल बाद अब भी सर्वोच्च अदालत में लटके हुए हैं।

विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस से बगावत करने वाले सांसदों को एनसीपीआई के प्रतिनिधि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। बैठक में सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष मौजूद थे। विपक्ष के सांसदों ने बहिर्गमन किया, मीडिया को अपने-अपने बयान दिए और करीब 15 मिनट के बाद बैठक में वापस भी चले गए। यह क्या हुआ? बहिष्कार करना था, तो पूरी सर्वदलीय बैठक को खारिज करना चाहिए था। यह बैठक भी महज औपचारिक होती है, क्योंकि सदन में कार्यवाही बिल्कुल उलट होती है। बहरहाल इस सत्र के दौरान कमोबेश लोकसभा में सांसदों की सीट का परिदृश्य पहले से बिल्कुल अलग दिखाई देगा। स्पीकर ओम बिरला ने 48 सांसदों की सीटें बदली हैं, जिनमें 22 सांसद द्रमुक के हैं। चूंकि तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस का संबंधविच्छेद हो चुका है, लिहाजा द्रमुक ने उनकी सीटें बदलने का आग्रह किया था। इन 48 सांसदों की सीटें सत्ता-पक्ष की तरफ हैं। क्या मान लिया जाए कि अब ये 48 सांसद सत्तारूढ़ एनडीए के प्रत्यक्ष या परोक्ष हिस्सा हो गए हैं

कुछ अलग

आस्था और विज्ञान का अद्‌भुत संगम

हिमालय को भगवान शिव और माता पार्वती (नंदा) का दिव्य निवास माना जाता रहा है। इसकी दुर्गम चोटियां और प्राकृतिक गुफाएं श्रद्धालुओं को ईश्वर की उपस्थिति का अहसास कराती हैं। ऐसी धार्मिक और पौराणिक मान्यता है कि कैलास में भगवान शिव, पार्वती (नंदा) के साथ विराजमान रहते हैं। यहां पर्वत-शृंखलाओं के नाम शिव और पार्वती के नाम पर हैं। कैलास मानसरोवर, छोटा कैलास, नंदा देवी पर्वत, नंदा घुंघटी, त्रिशूल आदि हिमालय की प्रमुख पर्वत-शृंखलाएं हैं। कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ, उत्तराखंड राज्य की नीति घाटी में टिम्मरसैंण महादेव गुफा और उत्तरकाशी जनपद की नेलांग घाटी का छोटा अमरनाथ—ये तीन प्राकृतिक शिव गुफाएं हैं, जहां हिमलिंग के रूप में शिव दर्शन देते हैं। ये स्थान श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के केंद्र होने के साथ ही वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय भी हैं। पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू हो गई है। श्रद्धालु अगले कुछ दिनों तक अमरनाथ गुफा में बर्फ के शिवलिंग के दर्शन कर सकेंगे। अपने आराध्य को इस रूप में देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। बर्फ के शिवलिंग के बनने का धार्मिक महत्व होने के अलावा इसके वैज्ञानिक कारण भी बताए जाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव से अमरत्व का रहस्य जानने की इच्छा व्यक्त की। भगवान शिव यह जानते थे कि यदि इस कथा को कोई सुन लेगा, तो वह मृत्यु-चक्र से मुक्त होकर अमर हो जाएगा। यही कारण था कि शिव ने पार्वती जी को अमरत्व की कथा सुनाने के लिए जिस स्थान का चयन किया, वह अमरनाथ गुफा थी। भगवान शिव पार्वती को कथा सुनाने लगे।

भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे

विक्रम-1: नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय

भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है। विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है।

भारत ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प, वैज्ञानिक दृष्टि और नवाचार का संगम हो तो आकाश भी सीमा नहीं, बल्कि संभावनाओं का प्रारंभ बन जाता है। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट 'विक्रम-1' का सफल प्रक्षेपण केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और विज्ञान-प्रधान भविष्य की ओर बढ़ते राष्ट्र का एक नया घोषणापत्र है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'मिशन आगमन' के अंतर्गत हुई यह ऐतिहासिक उड़ान भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान के इतिहास में एक ऐसे स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अब अंतरिक्ष विज्ञान केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निजी उद्यम भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत का नेतृत्व करेंगे। निश्चित ही विक्रम-1 नए भारत की अंतरिक्ष उड़ान का स्वर्णिम अध्याय एवं निजी अंतरिक्ष क्रांति की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन है। विक्रम-1 की सफलता उस महान वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई के स्वप्न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्होंने कभी कहा था कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष विज्ञान विलासिता नहीं, बल्कि विकास का अनिवार्य साधन है। आज उसी विचार की आधुनिक अभिव्यक्ति स्काईरूट एयरोस्पेस के रूप में दिखाई देती है, जिसने अपने पहले ही प्रयास में इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस समय दुनिया में केवल कुछ ही देशों के निजी उपक्रम ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर पाए हैं। भारत अब उस विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है, जहां नवाचार, वैज्ञानिक कौशल और उद्यमशीलता मिलकर नई संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। अमेरिका के स्पेसएक्स ने जिस निजी अंतरिक्ष क्रांति की शुरुआत की थी, भारत ने अब उसका अपना स्वदेशी संस्करण प्रस्तुत कर दिया है। विक्रम-1 की तकनीकी विशेषताएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। पूरी तरह कार्बन कंपोजिट से निर्मित यह रॉकेट अपेक्षाकृत हल्का, अधिक मजबूत तथा कम लागत वाला है। थ्री-डी प्रिंटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग ने इसके निर्माण खर्च को उल्लेखनीय रूप से कम किया है। इसका सीधा अर्थ है कि भविष्य में छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण का वैश्विक बाजार भारत के लिए नए आर्थिक अवसर लेकर आएगा। आज दुनिया में संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, रक्षा, आपदा प्रबंधन, इंटरनेट सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों के लिए हजारों छोटे उपग्रहों की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में भारत कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकता है। 'विक्रम-1' को विकसित करने वाली निजी कंपनी 'स्काईरूट एयरोस्पेस' ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई के नाम पर इस रॉकेट का नामकरण कर न सिर्फ उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है, बल्कि हमारे औद्योगिक घरानों को भी यह

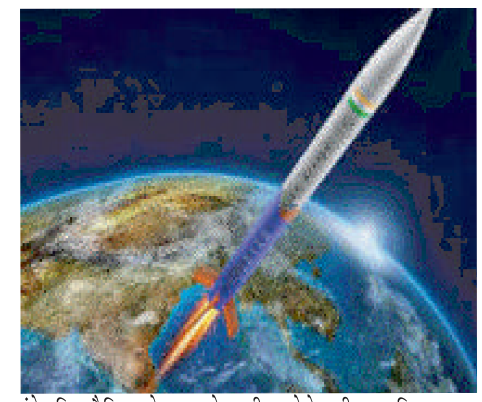

संदेश दिया है कि कारोबार करते हुए भी अपने देश की समृद्ध विरासत का सम्मान किया जाना चाहिए। गौर कीजिए, अप्रैल 1975 में जब भारत ने अपना पहला उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था, तब उसका नामकरण महान खगोल वैज्ञानिक आर्यभट्ट के नाम पर किया गया था। यह सफलता केवल एक कंपनी की उपलब्धि नहीं है। यह उस नई नीति का परिणाम भी है जिसके अंतर्गत भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी निवेश और स्टार्टअप के लिए खोलने का साहसिक निर्णय लिया। नई अंतरिक्ष नीति, इन-स्पेस जैसी संस्थाओं की स्थापना तथा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए उदार प्रावधानों ने भारतीय युवाओं के सामने नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। आज देश में अनेक स्पेस स्टार्टअप उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली, अंतरिक्ष संचार और डेटा सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह परिवर्तन भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करेगा। किन्तु हर सफलता अपने साथ नई चुनौतियां भी लेकर आती है। विक्रम-1 की पहली उड़ान सफल अवश्य रही है, परंतु अंतरिक्ष उद्योग में स्थायी सफलता केवल एक प्रक्षेपण से सुनिश्चित नहीं होती। स्काईरूट एयरोस्पेस को अब वैश्विक बाजार में स्पेसएक्स, रॉकेट लैब तथा चीन की अनेक निजी कंपनियों जैसी सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। नियमित ग्राहक, समय पर प्रक्षेपण, कम लागत, उच्च विश्वसनीयता तथा भविष्य में पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक विकसित करना उसकी अगली बड़ी परीक्षा होगी। अंतरिक्ष उद्योग में विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है और वह निरंतर सफल अभियानों से ही अर्जित किया जा सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता के बीच एक गंभीर प्रश्न भी हमारे सामने खड़ा है-क्या इसरो अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओं को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रख पाएगा? हाल के वर्षों में अनेक अनुभवी वैज्ञानिक निजी क्षेत्र की ओर आकर्षित हुए हैं। इसका कारण केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि बेहतर कार्य संस्कृति, अनुसंधान की स्वतंत्रता, त्वरित निर्णय प्रक्रिया और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण भी है। इसरो ने भारत को चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य-एल1, गगनयान जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां दी हैं। सीमित संसाधनों में विश्वस्तरीय परिणाम देकर इसरो ने पूरी दुनिया का सम्मान अर्जित किया है। किंतु यदि प्रतिभाशाली वैज्ञानिक धीरे-धीरे संस्थान से बाहर जाते रहे तो दीर्घकाल में अनुसंधान और राष्ट्रीय अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए इसरो के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नए मिशन तैयार करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक प्रतिभाओं को प्रेरित, सम्मानित और संतुष्ट बनाए रखना भी है। सरकार को चाहिए कि इसरो के वैज्ञानिकों के लिए प्रतिस्पर्धी वेतन संरचना, अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं, निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां विकसित करे। सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि सहयोग का वातावरण तैयार होना चाहिए। निजी क्षेत्र इसरो का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहयोगी बन सकता है। जिस प्रकार अमेरिका में नासा और स्पेसएक्स मिलकर अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं, उसी प्रकार भारत में इसरो और निजी कंपनियों का समन्वय देश को वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है।आज आवश्यकता इस बात की भी है कि अंतरिक्ष विज्ञान को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के स्तर तक पहुंचाया जाए। विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं का विषय न रहकर जन-आंदोलन बने। युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और नवाचारकर्ताओं को स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया जाए। यदि प्रत्येक राज्य में स्पेस टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर स्थापित किए जाएं, उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान साझेदारी विकसित की जाए तथा अंतरिक्ष तकनीक में निवेश को बढ़ावा दिया जाए तो भारत अगले दशक में विश्व का अग्रणी अंतरिक्ष नवाचार केंद्र बन सकता है। भविष्य की आकाशीय सफलताओं की नई जमीन तैयार करने के लिए कुछ रचनात्मक कदम अत्यंत आवश्यक हैं-इसरो और निजी कंपनियों के बीच संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ हों; पुनः प्रयोज्य रॉकेट तकनीक और हरित प्रणोदन (ग्रीन प्रोपल्शन) पर विशेष निवेश किया जाए; अंतरिक्ष विनिर्माण के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाए; युवाओं के लिए अंतरिक्ष उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष कोष बनाए जाएं; तथा अंतरिक्ष कानूनों को सरल, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल बनाया जाए। साथ ही, अंतरिक्ष मलबे (स्पेस डेब्रिस) के प्रबंधन, पर्यावरणीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा, क्योंकि भविष्य का अंतरिक्ष विकास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का भी विषय है। विक्रम-1 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। यह सफलता नए भारत के आत्मविश्वास, युवाओं की प्रतिभा और वैज्ञानिक सोच की विजय है।

देश दुनिया से

बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं, जिसमें बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का आपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे हैं। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाक सेना ने बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लडक़ों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। पाक सेना का यह भी आरोप है कि अफगानिस्तान बीएलए को विद्रोही बलूचों ने करीब 85 प्रतिशत बलूचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाक आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बलूचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलूचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाक के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलूच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलूचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच को बलूच के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलूचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलूच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलूच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलूचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलूचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद कर किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलूच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलूच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलूचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलूचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलूचिस्तान को बलूचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतएव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलूचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी। जिसमें करीब 150 आत्मघाती दस्ते शामिल थे। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलूचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे।

आप का नज़रिया

दफ्तरी माहौल के दिन

सुशासन की एक अलग वकालत हिमाचल में इस नजरिये से शुरू हुई कि कार्यालयों में कार्य निष्पादन के दिन हों पांच। बाकायदा इसकी एक प्रेजेनटेशन राज्य सचिवालय के सेवा महासंघ ने मुख्यमंत्री को दी है। तर्क कई हैं जो दफ्तरी माहौल से एक दिन घटा कर सरकार को लाभ प्रदान करने की गिनती करवा रहे हैं। आरंभिक गणित में दावा किया है कि पांच दिन घटा कर सरकार को साल में सौ करोड़ की बचत होगी। बचत के रास्ते अगर हर दम घटाए जाएं, तो यही लाभ दस से बीस गुना हो सकता है। कहना न होगा कि यह विषय सरकार की फिजूलखर्ची रोकने का है, न कि दिनों में जनता की लागत का हिसाब लगाया जाए। बचत के रास्ते पर कर्मचारियों पर हो रहा खर्च दिनों के हिसाब से न अधूरा है और न ही पूरा। यह कर्मचारी संख्या पर निर्भर नहीं करता कि कौन कितने घंटे काम करता है, बल्कि कार्य निष्पादन की गारंटी है। यानी दफ्तर में अगर यह सूची अमल में आए कि फलां कार्य इतने दिनों में हल होगा, वरना पांच दिन का कार्य दस दिन में भी पूरा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। ऐसे बहुत सारे दफ्तर इस प्रदेश में ऐसी कार्यसंस्कृति स्थापित कर चुके हैं कि जनता को दफ्तर मिलता है, तो कर्मचारी नदारद होते हैं। सरकार ने इंतकाल संबंधी फैसला लेकर इन्हीं दफ्तरों में सालों का कार्य दिनों में पूरा कर दिया, तो ऐसे फैसले जनता के ही करोड़ों बचा देते हैं। सरकारी मशीनरी का ढर्रा सही ढंग से काम करे, तो कम कर्मचारियों में अधिक काम होगा या कम दिनों में ज्यादा परिणाम आएंगे। बेशक पांच दिन का हफ्ता बनाने के कुछ प्रत्यक्ष लाभ हैं, लेकिन छुट्टियां बढ़ाने से कर्मठता का क्या ताल्लुक। वैसे भी दफ्तरों की हाजिरी में शनिवार की आधी दिहाड़ी और सोमवार की हाजिरी में लेटलतीफी मशहूर है, तो यही रूटीन एक दिन और पहले सरक जाएगी। इसका प्रतिकूल असर ट्रांसपोर्ट व्यवसाय पर पड़ेगा। दफ्तर पहले ही द्वितीय शनिवार की उदासी को पूरा नहीं कर पाते, तो हर शनिवार की गैरहाजिरी से सरकार के लक्ष्यों में 52 हफ्तों की देरी हो जाएगी। जो अधिकारी पूरे छह दिन में फील्ड कार्यों की प्रगति देखने तक नहीं पहुंच पाते, वे पांच दिन में क्या करेंगे। फिर प्रदेश की लागत और प्रदेश की तरक्की की तमाम अड़चनें तो राजधानी की कार्यसंस्कृति में हैं। फाइलें जिस रफ्तार से शिमला के हस्ताक्षर करवाती हैं, उसमें हफ्ते नहीं महीनों की गिनती होती है। सरकारें घोषणाएं करते हुए आगे बढ़ जाती हैं, लेकिन कार्यसंस्कृति की लेटलतीफी और लालफीताशाही का आलम यह कि शिमला के दफ्तरों में उनकी सही से पैरवी ही नहीं होती। प्रदेश के दफ्तरों की शिमला दौड़ ही घट जाए, तो अरबों बचेंगे। वन विभाग या किसी अन्य विभाग की अनापत्तियां हासिल करने के लिए सरकारी और निजी जूते जितने घिसते हैं या राजधानी की तरफ भागते अफसरशाही के टीए-डीए की रफ्तार रोकें, तो भी करोड़ों बच जाएंगे। जरा बताएं कि प्रदेश भर की कितनी फाइलें शिमला में फंसी हैं और कितने हफ्तों में यह क्लीयर होंगी। कितने स्कूलों के भवन, सरकारी इमारतें, वन भूमि अनापत्तियां, पेड़ पौधों को काटने की मंजूरियां हासिल करने में, फोरेस्ट डिपार्टमेंट इस गणित से सहमत होगा कि वर्ष के 52 दिन घटा दिए जाएं। बहरहाल शिमला या किसी अन्य शहर को डिकंजेस्ट करने में एक दिन कामयाब होता है, तो इसे समस्त परिप्रेक्ष्य में देखना होगा। सरकार को अपने कद और पद तथा सरकारी आकार को घटा कर ही बचत का सोचना चाहिए। यह विषय प्रशासनिक व आर्थिक सुधारों की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

आरंभिक गणित में दावा किया है कि पांच दिन घटा कर सरकार को साल में सौ करोड़ की बचत होगी। बचत के रास्ते अगर हर दम घटाए जाएं, तो यही लाभ दस से बीस गुना हो सकता है। कहना न होगा कि यह विषय सरकार की फिजूलखर्ची रोकने का है, न कि दिनों में जनता की लागत का हिसाब लगाया जाए। बचत के रास्ते पर कर्मचारियों पर हो रहा खर्च दिनों के हिसाब से न अधूरा है और न ही पूरा। यह कर्मचारी संख्या पर निर्भर नहीं करता कि कौन कितने घंटे काम करता है, बल्कि कार्य निष्पादन की गारंटी है। यानी दफ्तर में अगर यह सूची अमल में आए कि फलां कार्य इतने दिनों में हल होगा, वरना पांच दिन का कार्य दस दिन में भी पूरा नहीं होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। ऐसे बहुत सारे दफ्तर इस प्रदेश में ऐसी कार्यसंस्कृति स्थापित कर चुके हैं कि जनता को दफ्तर मिलता है, तो कर्मचारी नदारद होते हैं। सरकार ने इंतकाल संबंधी फैसला लेकर इन्हीं दफ्तरों में सालों का कार्य दिनों में पूरा कर दिया, तो ऐसे फैसले जनता के ही करोड़ों बचा देते हैं। सरकारी मशीनरी का ढर्रा सही ढंग से काम करे, तो कम कर्मचारियों में अधिक काम होगा या कम दिनों में ज्यादा परिणाम आएंगे। बेशक पांच दिन का हफ्ता बनाने के कुछ प्रत्यक्ष लाभ हैं, लेकिन छुट्टियां बढ़ाने से कर्मठता का क्या ताल्लुक। वैसे भी दफ्तरों की हाजिरी में शनिवार की आधी दिहाड़ी और सोमवार की हाजिरी में लेटलतीफी मशहूर है, तो यही रूटीन एक दिन और पहले सरक जाएगी।

दृष्टि कोण

इस छात्र आंदोलन के दीर्घकालीन होने का निहितार्थ

कल दोपहर, जब 'कॉकरोच जनता पार्टी' आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच किया, तो सत्ता के नशे में चूर सरकार ने - जो किसी भी किस्म का विरोध सहना तो एक तरफ, असहमति तक बर्दाश्त नहीं करती-अपने अहंकार में उन युवाओं पर हाथ उठवाया जिन्होंने सिर्फ़ उपवास किया था, धरना दिया और अपनी बात रखी थी। आज दोपहर हुई धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरू हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने-माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमज़ोर व बेबुनियाद कारणों के आधार पर वहां से हटाया। शनिवार और रविवार को, उनकी गैर-मौजूदगी में भी जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा। तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरू किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया। यह किसी एक चेहरे, नाम या पार्टी से कहीं बड़ी बात है। अपनेआप में लोकतंत्र की ज़बरदस्त लहर है। मैंने अपने सामने यह होते देखा, पहले शनिवार को और फिर आज। मैं 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर उपवासरत छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने गया था। पहले इसलिए नहीं जा सका कि दिल्ली से बाहर, अपने गृह राज्य में कुछ जरूरी और न टाली जा सकने वाली प्रतिबद्धताओं में व्यस्त था। जब उस सुबह सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने की खबर मिली, तो कुछ पल के लिए सोचा कि क्या ऐसे समय में विरोध स्थल पर जाना उचित होगा। मैंने सोचा कि अवश्य ही माहौल मायूसी भरा होगा। फिर खुद को याद दिलाया कि एकजुटता दिखाने का असली औचित्य तो तभी है, जब आंदोलन को डराने या हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही हो। जंतर-मंतर पर मैंने जो देखा, वह मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग था। मायूसी और

थकावट के बजाय, दृढ़ संकल्प और हिम्मत व्याप्त देखी। माहौल आशा, नैतिक विश्वास और सामूहिक मकसद के असाधारण भाव से लबरेज़ था। ये सब युवा कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले इकट्ठा थे, ऐसा नाम जो विद्रोह दर्शाता है। जब तंत्र के सबसे ऊंचे ओहदों में से एक की ओर से देश के बेरोज़गार युवाओं की तुलना के लिए कॉकरोच जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया, तो युवाओं ने इस ताने को बतौर पहचान अपना लिया। सामाजिक आंदोलनों के समाजशास्त्र का अध्ययन करने, पढ़ाने और उनमें शामिल होने के पीछे मनोस्थिति का अध्ययन दशकों तक करने के बाद, मैं इस विरोध का विश्लेषण अकादमिक और राजनीतिक, दोनों नज़रियों से किए बिना नहीं रह सका; क्योंकि इसमें वे कई खूबियां थीं जिसकी तलाश 'नव सामाजिक आंदोलनों' के सिद्धांतकार लोकतांत्रिक संघर्षों में करते हैं। सिर्फ़ लिखित सामग्री बांटने वाले या वर्ग-हितों के आधार पर होने वाले पारंपरिक आंदोलनों के उलट, यह जनांदोलन लोकतंत्र की जगह, संवैधानिक नैतिकता व नागरिकता की गरिमा बहाल करने के बारे में भी उतना ही था। एलेन टुरेन का तर्क कि ऐसे आंदोलन समाज की दिशा तय करने के लिए आखिरी उपाय होते हैं- यानी उन मूल्यों को परिभाषित करना,जिनके साथ लोग जीना चाहते हैं-यह मुहिम ठीक उसे परिभाषित करती लगी जो ये युवा हासिल करना चाह रहे ;अल्बर्टो मेलुची की अंतर्दृष्टि कि ऐसे अवसरों पर ताकत संगठनात्मक पदानुक्रम के बजाय सामूहिक पहचान व साझा अर्थों से चालित होती है,वह यहां साफ़ दिखी कि कैसे अजनबी लोग एक साझे मकसद हेतु साथी बन गए।

एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने एफआईएच हाकी पुरुष विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड्स 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम में अनुभव की अहम भूमिका निभाएंगे।

विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होगा। भारत को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने सभी लीग मुकाबले नीदरलैंड्स के एम्स्टलवीन में खेलेगी।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा, यह एक संतुलित टीम है। इसमें बड़े टूर्नामेंट का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के साथ शानदार फार्म में चल रहे युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा। भारत-पाकिस्तान मैच पूल चरण का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला माना जा रहा है।

फुल्टन ने कहा, प्रेस, काउंटर और प्रदर्शन' केवल हमारी रणनीति नहीं है, बल्कि यही इस टीम की सोच और प्रशिक्षण का आधार भी है। हम फिलहाल बहुत आगे नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समय में एक मैच पर पूरा ध्यान देना है और हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।

उन्होंने आगे कहा, 1975 में भारत ने विश्व कप जीता था। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के 50 साल बाद इस टीम के पास भारतीय हाकी के इतिहास में अपना नया अध्याय लिखने का अवसर है और इसे लेकर हम सभी बेहद उत्साहित हैं।

भारतीय टीम

गोलकीपर: मोहित एचएस, सूरज करकेरा

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच

मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे

फारवर्ड: मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

न्यूज़ ब्रीफ

फीफा ने शुरू की स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प की जांच

नई दिल्ली। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबाल एसोसिएशन (फीफा) ने रविवार को खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल के बाद मैदान पर स्पेन और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ के बीच हुई हिंसक झड़प की अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी है। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय (106वें मिनट) में गोल कर स्पेन को अर्जेंटीना पर 1-0 से जीत दिलाई और स्पेन ने अपना दूसरा पुरुष फीफा विश्व कप खिताब जीता। हालांकि मुकाबले के अंत में अर्जेंटीना खिलाड़ियों के अनुशासनहीन व्यवहार ने मैच की चमक फीकी कर दी। इससे पहले अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज को स्पेन के पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल करने के कारण रेफरी स्लावको विनचिच ने दूसरा पीला कार्ड दिखाकर लाल कार्ड दे दिया था। मैच समाप्त होने के बाद सामने आए वीडियो में अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और नाहुएल मोलिना को स्पेन के एरिक गार्सिया और रोद्री के साथ हाथापाई करते देखा गया। वहीं अर्जेंटीना के सहायक कोच रोबर्टो आयाला भी कथित तौर पर स्पेन के दानी ओल्मो पर हाथ उठाते नजर आए। इसके बाद मोलिना ने रोद्री को घेर लिया, जबकि अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने अपने पूर्व मैनचेस्टर सिटी साथी रोद्री के साथ तीखी बहस की। स्थिति को शांत कराने के लिए अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी और दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी बीच-बचाव के लिए मैदान में पहुंचे। फीफा ने अब पुष्टि की है कि पूरे मामले की अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी गई है और यह देखा जाएगा कि फीफा अनुशासन संहिता के उल्लंघन के मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाए। फीफा के आधिकारिक बयान में कहा गया, स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेले गए फीफा विश्व कप फाइनल की मैच रिपोर्ट का आकलन करने और फीफा अनुशासन संहिता (एफडीसी) के अनुच्छेद 36 के तहत फीफा अनुशासन समिति ने मैच के बाद हुई घटनाओं की जांच के लिए एक अनुशासन एवं नैतिकता अभियोजक नियुक्त किया है, जो संभावित उल्लंघनों की जांच करेगा।

अभिषेक पोरेल रेप मामले में फंसे, गिरफ्तारी के आदेश जारी

कोलकाता। कोलकता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की ओर से घरेल क्रिकेटर खेलने वाले विकेटकीपर

बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अभिषेक पर कथित तौर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस पूरे मामले में हाई होर्ट ने अभिषेक के सभी इलेक्ट्रानिक गैजेट को जब्त करने के साथ उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया है। ऐसे में अब अभिषेक का करियर भी खतरे में नजर आ रहा है। अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट ने मोगरा पुलिस को शिकायतकर्ता की तस्वीरों के कथित तौर पर वायरल होने से रोकने के लिए पोरेल के सभी इलेक्ट्रानिक गैजेट को भी जब्त करने के निर्देश दिये हैं। इस मामले में पीड़ित युवती का आरोप है कि क्रिकेटर ने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए और उनके अंतरंग पलों को रिकार्ड किया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, याचिकाकर्ता से एक पेन ड्राइव जब्त किया गया है। पेन ड्राइव में कुछ ऐसी चीजें मिली ऐसी हैं, जिससे साबित होता है कि पोरेल के इलेक्ट्रानिक गैजेट को जब्त करने के लिए उन्हें गिरफ्तार किया जाना जरूरी है जिससे उसमें मौजूद डेटा दूसरों के साथ साझा नहीं किया जा सके

युवराज ने चयन पर उठाए सवाल, यशस्वी को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर जतायी चिन्ता

चंडीगढ़। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के चयन मापदंडों

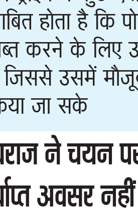

पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को पर्याप्त अवसर नहीं मिलने और अनुभवी खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की कमी को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। युवराज ने कहा कि आगामी विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। युवराज ने कहा कि वह विशेष रूप से युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लेकर चिन्ता जतायी है। युवराज के अनुसार यशस्वी ने हाल के अपने तीन एकदिवसीय मैचों में दो शानदार शतक लगाये हैं। इसके बाद भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, यशस्वी को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। ऐसे में अगर विश्व कप से पहले उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलता और टीम में शामिल किया जाता है तो उन पर अचानक ही दबाव बन जाएगा।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : 23 जुलाई से होगा आगाज

नई दिल्ली

स्काटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 74 देशों और क्षेत्रों के 3,000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 11 दिनों तक चलने वाले इन खेलों में 11 खेलों की 215 पदक स्पर्धाओं में मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में ओलंपिक और विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के साथ कई उभरते सितारे भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। खेलों की शुरुआत 23 जुलाई को बाउल्स और पैरा बाउल्स से होगी, जबकि समापन 2 अगस्त को ट्रैक साइक्लिंग, जूडो और नेटबाल के पदक मुकाबलों के साथ होगा। एथलेटिक्स, तैराकी, मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, 3×3 बास्केटबाल और पैरा स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

commonwealth games GLASGOW 2026

भारतीय समयानुसार पूरा कार्यक्रम

3×3 बास्केटबाल और 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबाल (एसईसी सेंटर हाल-4)

24 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, शाम 7:00-रात 10:30, रात 11:30-2:00 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, शाम 7:00-रात 10:30, रात 11:30-2:00 (26 जुलाई)

26 जुलाई: शाम 4:00-8:15, रात 9:30-1:45 (27 जुलाई)

27 जुलाई: शाम 4:00-8:15, रात 9:30-1:45 (28 जुलाई)

28 जुलाई: रात 10:00-2:00 (29 जुलाई)

29 जुलाई: शाम 4:00-8:00, रात 9:00-2:00 (30 जुलाई)

आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स (ग्लास्गो इंटरनेशनल एरीना)

24 जुलाई: दोपहर 2:30-रात 8:30, रात 10:00-1:45 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:30, रात 8:15-1:15 (26 जुलाई)

26 जुलाई: शाम 4:30-7:30, रात 8:30-11:30

27 जुलाई: शाम 5:30-रात 10:00

28 जुलाई: शाम 5:30-रात 10:00

एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ईडीएफ स्काट्सटाउन स्टेडियम)

27 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, रात 11:00-2:30 (28 जुलाई)

28 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 5:00, रात 11:00-2:30 (29 जुलाई)

29 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 5:30, रात 11:00-2:30 (30 जुलाई)

30 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:00, रात 11:00-2:30 (31 जुलाई)

31 जुलाई: दोपहर 2:30-शाम 6:15, रात 11:00-2:45 (1 अगस्त)

1 अगस्त: दोपहर 2:30-शाम 6:15, रात 11:00-3:00 (2 अगस्त)

बाउल्स और पैरा बाउल्स (एसईसी सेंटर हाल-3)

23 जुलाई: दोपहर 2:00-रात 8:55

24 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:45, शाम 7:30-2:45 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:45, शाम 7:30-2:40 (26 जुलाई)

26 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:15-2:25 (27 जुलाई)

27 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:15-2:25 (28 जुलाई)

28 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:00, शाम 7:30-2:25 (29 जुलाई)

29 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:30-2:25 (30 जुलाई)

30 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:30-2:25 (31 जुलाई)

31 जुलाई: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:30-2:25 (1 अगस्त)

1 अगस्त: दोपहर 1:00-शाम 6:30, शाम 7:30-2:25 (2 अगस्त)

2 अगस्त: दोपहर 1:30-शाम 7:45

मुक्केबाजी (एसईसी सेंटर हाल-5)

24 जुलाई: दोपहर 3:30-शाम 7:00, रात 10:30-2:15 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 3:30-शाम 6:30, रात 10:30-1:45 (26 जुलाई)

26 जुलाई: दोपहर 3:30-शाम 7:30, रात 10:30-2:15 (27 जुलाई)

27 जुलाई: दोपहर 3:30-शाम 7:15, रात 10:30-2:00 (28 जुलाई)

28 जुलाई: शाम 4:30-7:45, रात 10:30-1:45 (29 जुलाई)

29 जुलाई: शाम 4:30-8:00, रात 10:30-2:00 (30 जुलाई)

31 जुलाई: दोपहर 3:00-5:00, शाम 7:00-9:30, रात 11:30-2:00 (1 अगस्त)

1 अगस्त: दोपहर 3:30-शाम 7:00, रात 9:00-12:30 (2 अगस्त)

नेटबाल (द हाइड्रो)

25 जुलाई: दोपहर 1:30-5:00, शाम 6:30-10:00, रात 11:30-3:00 (26 जुलाई)

26 जुलाई: दोपहर 1:30-5:00, शाम 6:30-10:00, रात 11:30-3:00 (27 जुलाई)

27 जुलाई: शाम 6:30-10:00, रात 11:30-3:00 (28 जुलाई)

28 जुलाई: शाम 6:30-10:00, रात 11:30-3:00 (29 जुलाई)

29 जुलाई: शाम 6:30-10:00, रात 11:30-3:00 (30 जुलाई)

30 जुलाई: दोपहर 1:30-5:00, शाम 6:30-10:00, रात 11:30-3:00 (31 जुलाई)

31 जुलाई: दोपहर 1:30-5:00, शाम 6:30-10:00

1 अगस्त: दोपहर 1:30-3:30, शाम 5:30-7:30

2 अगस्त: दोपहर 1:30-3:30, शाम 5:30-7:30

पैरा पावरलिफ्टिंग (एसईसी आर्माडिलो)

24 जुलाई: शाम 5:30-रात 9:00, रात 10:30-2:00 (25 जुलाई)

तैराकी और पैरा तैराकी (टोलक्रास इंटरनेशनल स्विमिंग सेंटर)

24 जुलाई: दोपहर 3:00-5:30, रात 11:30-2:30 (25 जुलाई)

25 जुलाई: दोपहर 3:00-5:30, रात 11:30-2:45 (26 जुलाई)

26 जुलाई: दोपहर 3:00-5:15, रात 11:30-2:45 (27 जुलाई)

27 जुलाई: दोपहर 3:00-4:45, रात 11:30-2:30 (28 जुलाई)

28 जुलाई: दोपहर 3:00-5:45, रात 11:30-2:45 (29 जुलाई)।

विश्व कप फाइनल की हार के बाद भावुक हुए लियोनेल मेसी बोले- यह दर्द बहुत गहरा है

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 की हार के एक दिन बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने भावुक संदेश जारी करते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। मेसी ने कहा कि इस हार का दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा, लेकिन टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जो संघर्ष किया, उस पर उन्हें गर्व है।

न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद मेसी भावुक होकर रोते हुए नजर आए और उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर भी अटकलें तेज हो गईं।

इंस्टाग्राम पर स्पेनिश भाषा में लिखे अपने संदेश में मेसी ने कहा, यह दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा। लेकिन मैं उन सभी अच्छे पलों को भी संजोकर रखूंगा... वे मुकाबले जिन्हें हमने वापसी करते हुए जीता, जिनमें हमने अपना सब कुछ झोंक दिया। वे पल हमेशा हमारी यादों में रहेंगे। पूरे देश का समर्थन, और इस टीम की मेहनत व समर्पण ने हमें एक बार फिर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल किया। उन्होंने आगे कहा, आप सभी का दिल की गहराइयों से धन्यवाद, जिन्होंने हमें शुभकामनाएं दीं और संदेश भेजे। एक बार फिर हम पूरे देश को एकजुट करने में सफल रहे और अर्जेंटीना होने के गर्व को साथ मिलकर महसूस किया। मेसी ने अपने संदेश में स्पेन को भी बधाई देते हुए कहा, मैं स्पेन को भी इस चैंपियनशिप के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। राष्ट्रीय टीम के लिए मेसी का शानदार योगदान इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी मेसी ने 2022 विश्व कप फाइनल में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। इसके अलावा उन्होंने 2021 और 2024 में लगातार दो कोपा अमेरिका खिताब भी टीम को जिताए। इस विश्व कप के दौरान मेसी ने अपने अंतरराष्ट्रीय गोलों की संख्या 125 तक पहुंचा दी, जो केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146 गोल) से कम है। विश्व कप 2026 में मेसी ने आठ गोल और चार असिस्ट किए। वह विश्व कप इतिहास में तीन फाइनल मुकाबलों की शुरुआत करने वाले पहले खिलाड़ी भी बने, हालांकि इस बार वह स्पेन के खिलाफ टीम को जीत नहीं दिला सके।

उधर, अर्जेंटीना फुटबाल संघ (एएफए) के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने भी मेसी की राष्ट्रीय टीम के लिए असाधारण सेवाओं और योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित शब्दों में याद किया।

टेस्ट क्रिकेट में लारा, हेडन सहित इन बल्लेबाजों ने खेलीं हैं रिकार्ड लंबी पारियां

मुम्बई। सीमिति ओवरों के मुकाबलों के बीच भी टेस्ट क्रिकेट का आकर्षण बना हुआ है। इसका कारण है कि लंबे प्रारुप में ही किसी खिलाड़ी की असली परीक्षा होती है। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कई ऐसी पारियां खेली गई हैं, जिन्होंने आज भी प्रशंसक याद रखते हैं। वहीं इस दौरान बने रिकार्ड अब भी कायम हैं। टेस्ट इतिहास की सबसे लंबी पारी खेलने का रिकार्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के नाम है। साल 2004 में सेंट जान्स के एंटीगा रिक्रिएशन ग्राउंड पर लारा ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में 400 रन बनाकर सभी को हैरान कर दिया। क्रिकेट में इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतने रन नहीं बनाये थे। लारा इस मैच में 14वें ओवर में क्रीज पर आए और फिर 582 गेंदों में 43 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 400 रन बनाकर नाबाद पेवेलियन लौटे। यह टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला अवसर था जब कोई खिलाड़ी 400 रन तक पहुंचा। इससे पहले साल 2003 में पर्थ के वाका मैदान पर आस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 146 ओवरों तक बल्लेबाजी की और 380 रन बनाए, जिसमें 38 चौके और 11 छक्के शामिल थे।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद नई रैंकिंग जारी, स्पेन बना नंबर-1, अर्जेंटीना दूसरे स्थान पर खिसका

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के साथ ही स्पेन ने फीफा पुरुष फुटबाल रैंकिंग में भी नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। स्पेन ने फाइनल में अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया और मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। विश्व कप फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में विजयी गोल दागकर स्पेन को उसका दूसरा पुरुष विश्व कप खिताब दिलाया। इस उपलब्धि के साथ स्पेन अब पुरुष और महिला दोनों फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गया है। स्पेन की महिला टीम भी मौजूदा विश्व चैंपियन है। अर्जेंटीना दूसरे, फ्रांस तीसरे स्थान पर बरकरार लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना एक स्थान नीचे खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। विश्व कप में चौथे स्थान पर रहने के बावजूद फ्रांस तीसरे स्थान पर कायम है, जबकि इंग्लैंड चौथे स्थान पर बना हुआ है। ब्राजील की टाप-5 में वापसी, पुर्तगाल और जर्मनी को नुकसान यूईएफए नेशंस लीग चैंपियन पुर्तगाल, जिसे विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बाहर किया था, दो स्थान फिसलकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, इसी दौर में बाहर होने वाला ब्राजील एक स्थान की छलांग लगाकर छह

महीने बाद फिर से शीर्ष-5 में लौट आया है और अब पांचवें स्थान पर है। चार बार का विश्व चैंपियन जर्मनी विश्व कप के राउंड आफ-32 में पैराग्वे से पेनाल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हो गया था। इसका असर रैंकिंग पर भी पड़ा और जर्मनी दो स्थान नीचे खिसककर 12वें स्थान पर पहुंच गया। यह सितंबर 2025 के बाद उसकी सबसे खराब रैंकिंग है। मेजबान देशों में मेक्सिको ने लगाई सबसे बड़ी छलांग विश्व कप के सह-मेजबान देशों में मेक्सिको ने सबसे बड़ी प्रगति की। मेक्सिको चार स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गया। टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे अपने घरेलू मैदान एज़्टेका स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। फीफा के अनुसार, जून रैंकिंग चक्र के दौरान कुल 105 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए, जिनमें से 104 मुकाबले फीफा विश्व कप 2026 के थे। यह टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित हुआ।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए आस्ट्रेलियाई टीम घोषित, कमिंस, हेजलवुड और लियोन की वापसी

मेलबर्न

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की चोट के बाद टीम में वापसी हुई है, जिससे आस्ट्रेलियाई टीम को बड़ी मजबूती मिली है।

हेजलवुड एशेज सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से उबरते समय अकिलिस की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर रहे थे। वहीं लियोन एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी कराने के कारण लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए थे।

दूसरी ओर, पैट कमिंस निचली पीठ की स्ट्रेस इंजरी से वापसी करते हुए केवल एडिलेड टेस्ट में खेले थे। आस्ट्रेलिया के एशेज बरकरार रखने के बाद एहतियात के तौर पर उन्हें अंतिम दो टेस्ट मैचों में आराम दिया गया था।

कमिंस और हेजलवुड भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे, हालांकि दोनों ने अलग-अलग समय पर आईपीएल में वापसी की थी। लियोन ने एडिलेड टेस्ट के बाद अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है।

मुख्य चयनकर्ता जार्ज बेली ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, राष्ट्रीय चयन समिति पैट, जोश और नाथन की वापसी का स्वागत करती है। पिछले कुछ महीनों में इन तीनों खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन टीम के साथ मिलकर अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है।

नेसर और डागेट बाहर - वरिष्ठ गेंदबाजों की वापसी के बाद एशेज में 15 विकेट लेने वाले माइकल नेसर और ब्रेंडन डागेट को टीम में जगह नहीं मिली है। हालांकि नेसर, डागेट और आफ स्पिनर टाड मर्फी मुख्य टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। बेली ने कहा, यह 13 खिलाड़ियों की टीम है, लेकिन जरूरत पड़ने पर बदलाव के लिए अन्य खिलाड़ी भी पूरी तरह तैयार हैं। अगले 12 महीनों में लगातार क्रिकेट होने के कारण कई खिलाड़ियों को तीनों प्रारूपों में अवसर मिलेंगे।

बल्लेबाजी क्रम में नहीं हुआ बदलाव - आस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं किया है। एशेज में पदार्पण करने वाले जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है और वह सलामी बल्लेबाज के रूप में ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। उस्मान ख्वाजा के संन्यास के बाद हेड को ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खराब फार्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को भी टीम में बरकरार रखा गया है। एशेज में उन्होंने 259 रन बनाए थे और उनका औसत 28.78 रहा था। इससे पहले वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्हें अंतिम एकादश से बाहर भी किया गया था। तेज गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस और हेजलवुड के अलावा मिचेल स्टार्क और स्काट बोलैंड शामिल हैं। वहीं आलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। रिजर्व विकेटकीपर जोश इंग्लिस भी मध्यक्रम में स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

अगस्त में खेले जाएंगे दोनों टेस्ट - विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के तहत दोनों टेस्ट मैच 13-17 अगस्त के बीच डार्विन और 22-26 अगस्त के बीच मैकाय में खेले जाएंगे।

रत्नकला मिश्र एवं सुषमा बैद को भावभीनी श्रद्धांजलि

हिलेस की 618वीं गोष्ठी में याद किया गया साहित्यिक योगदान

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 618वीं मासिक साहित्य गोष्ठी का आयोजन गीत चाँदनी, गोलकोण्डा दर्पण विचार मंच, सीता युद्धवीर पुस्तकालय, बच्चन अकादमी एवं कबीर चिंतन के संयुक्त तत्वावधान में आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल में अत्यंत गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन प्रख्यात साहित्यकार स्वर्गीय रत्नकला मिश्र एवं स्वर्गीय सुषमा बैद के निधन पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एवं कवि गोष्ठी के रूप में आयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में पूर्व न्यायाधीश श्री टी. गोपाल सिंह, समाजसेवी श्री अमृत कुमार जैन, श्रीमती सुनीता गुप्ता, श्रीमती शोभा दुबे, श्री राजेश सिंह वर्मा तथा स्टेट बैंक ऑफ़ हैदराबाद के सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री विनय कुमार सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने दिवंगत कवयित्रियों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और हिंदी भाषा व साहित्य के प्रति उनके अमूल्य समर्पण को याद किया।

अतिथियों एवं वक्ताओं ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

गोविंद अक्षय: दोनों साहित्य साधिकाओं ने अपना संपूर्ण जीवन हिंदी भाषा और संस्कृति के संवर्धन के लिए समर्पित कर दिया।

रजत बैद (सुपुत्र स्व. सुषमा बैद): माता जी ने अत्यधिक शारीरिक कष्ट के बावजूद सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। उन्हें दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह: दोनों कवयित्रियों का निधन हिंदी साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका साहित्यिक अवदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

कार्यक्रम में श्री श्रुतिकांत भारती, संतोष कुमार मिश्र 'माधुर्य', डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव आदि वक्ताओं ने भी दोनों कवयित्रियों के अनुशासन और सृजनशीलता को याद किया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आयोजित कवि गोष्ठी में नगरद्वय के वरिष्ठ व युवा कवियों ने समकालीन विषयों और मानवीय संवेदनाओं पर प्रभावशाली रचनाएं प्रस्तुत कीं। काव्य-पाठ करने वालों में ममता मिश्रा, इमरान हुसैन, आशा ठाकुर, रामलिंग आश्चर्य, सुनील मिश्रा, विद्या दवे श्रीमाली, सत्यनारायण काकड़ा, पूनम जोधपुरी, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गोविंद अक्षय तथा अंजनी कुमार गोयल प्रमुख रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन कवि गोविंद अक्षय ने किया तथा अंत में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

काव्य कौमुदी से उभरी देशभक्ति की अमृत धारा

कारगिल विजय दिवस पर कवि सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। काव्य कौमुदी इंटरनेशनल मल्टीलिंगुअल पोएट्स ग्रुप द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में 19 जुलाई, रविवार 2026 को डॉ. मोहन गुप्ता जी के आरोग्य हॉस्पिटल के सभागार में एक भव्य अंतरराष्ट्रीय देशभक्ति कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न भाषाओं के अनेक कवियों एवं कवयित्रियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई। देशभक्ति के रंगों से सराबोर यह सम्मेलन मिनी इंडिया का सुंदर उदाहरण पेश करते हुए पूरे माहौल को देशभक्ति से ओत-प्रोत कर गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध उद्योगपति श्री अमृत कुमार जैन जी थे। प्रमुख विशिष्ट अतिथि रहे डॉ. मोहन गुप्ता जी, डॉ. डी. अनिता जी,

नवनिर्माण संघ के प्रमुख श्री एस. रवि कुमार तथा गौ संरक्षक संस्था के प्रमुख श्री टी.के. गुप्ता जी। कर्नाटक संगीतज्ञ एवं तेलुगु कवि श्री उदय श्री जी ने गणपति गायन प्रस्तुत किया। एटॉमिक एनर्जी हिंदी विभाग के डॉ. पंकज मेहता जी ने सरस्वती वंदना तथा देशभक्ति गीत 'कर चले हम फिदा' का गायन कर वातावरण को देशभक्ति की भावनाओं से ओत-प्रोत कर दिया। डॉ. ज्योति शेखर की तीन शिष्याओं - फानीश्री, सान्विका और हविषा - ने 'वंदे मातरम्' पर बेहतरीन कुचिपुड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। कुमुद बाला के कुशल संचालन में लगभग पंद्रह भाषाओं के कवियों ने अपनी ओजपूर्ण कविताओं का वाचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन कवियों में प्रमुख हैं - के. गीता, डॉ. रेखा देवी, विद्या दवे (हिंदी), सी. कामेश्वरी, डॉ. मैत्रेयी न्यूनाहा (संस्कृत), सत्यनारायण काकड़ा (राजस्थानी), रमा बहेड़ (मारवाड़ी), उमेशचंद्र श्रीवास्तव (भोजपुरी), उदय श्री (तेलुगु), पी. पद्मावती (तेलुगु/हिंदी), श्री सुधा कोलाचना (तेलुगु), डॉ. वासुदेव, डॉ. डी. श्रीदेवी (अंग्रेजी), शोभा देशपांडे, अरुंधती कुलकर्णी (मराठी), इंद्रावत राहुल नायक (बंजारा तेलुगु), जी. अनिल कुमार, विजय कृष्णन (मलयालम), डॉ. पंकज मेहता (गुजराती), दर्शन सिंह (पंजाबी), मोऊ मल्लिक दे (बांग्ला), मनोरंजन दास मोहापात्रा (उड़िया) एवं डॉ. कुमुद बाला (दक्कनी)।सभी आमंत्रित कवियों तथा कुचिपुड़ी शिष्याओं को शॉल, सर्टिफिकेट, गौ संरक्षक संस्था के सहयोग से मोमेंटो प्रदान किए गए तथा जलपान की व्यवस्था की गई। डॉ. कुमुद बाला के धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

बेगूसराय में दिनकर विवि की घोषणा का स्वागत

पटना / बेगूसराय, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जन्मभूमि बेगूसराय में दिनकर विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा का शिक्षाविदों और साहित्यप्रेमियों ने स्वागत किया है। मां निर्दोष सेवा केंद्र के तत्वावधान में विगत कई वर्षों से टिकारी और आसपास के क्षेत्रों में राष्ट्रकवि दिनकर की जयंती एवं स्मृति समारोह का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में इस वर्ष 16 एवं 17 मई को गया कॉलेज, गया में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान आयोजक हिमांशु शेखर ने मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार और टिकारी विधायक अजय कुमार दांगी के समक्ष दिनकर के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग उठाई थी।

मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा को साहित्य, शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम बताते हुए हिमांशु शेखर ने कहा कि इससे राष्ट्रकवि दिनकर के विचारों, साहित्य और राष्ट्रीय चेतना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। हिमांशु शेखर, प्रो. राजन, रामेश्वर उच्च विद्यालय के प्राचार्य अबरार आलम तथा डॉ. सत्येंद्र चंद्रा ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे राष्ट्रकवि दिनकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया और कहा कि इससे हिंदी साहित्य एवं शोध को नई दिशा मिलेगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को बेगूसराय दौरे के दौरान बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप स्थित आईओसीएल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में दिनकर विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा करते हुए कहा था कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है।

सुनील सिंघी बने आबू देलवाड़ा तीर्थ सहस्राब्दी महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक

बेंगलुरु, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

विश्व प्रसिद्ध एवं अति प्राचीन आबू देलवाड़ा जैन तीर्थ के सहस्राब्दी (एक हजार वर्ष) महामहोत्सव समिति के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में सुनील सिंघी को मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन पर बेंगलुरु के जैन समाज और व्यापारिक समुदाय में हर्ष की लहर है।

उल्लेखनीय है कि सुनील सिंघी वर्तमान में भारत सरकार के राष्ट्रीय व्यापार कल्याण बोर्ड के चेयरमैन हैं। वे मूर्तिपूजक समुदाय के युवाओं की शीर्ष संस्था अखिल भारतीय जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के अंतरराष्ट्रीय चेयरमैन हैं और अनेक जैन तीर्थों एवं धार्मिक संस्थाओं से ट्रस्टी के रूप में जुड़े हुए हैं।

इस अवसर पर प्रकाश पिरगल ने कहा कि सुनील सिंघी का राष्ट्रीय संयोजक के रूप में चयन जैन समाज के लिए गौरव का विषय है। उनके कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में आबू देलवाड़ा जैन तीर्थ का सहस्राब्दी महोत्सव भव्य और ऐतिहासिक रूप से संपन्न होगा। उन्होंने सिंघी के उज्ज्वल कार्यकाल और सफल आयोजन की मंगलकामना करते हुए हार्दिक बधाई दी।

प्राचीन गुरु द्रोण मंदिर में महाकाल श्रृंगार रुद्राभिषेक के साथ हुई महाआरती

गौतम बुद्ध नगर / दनकौर, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाभारत कालीन दनकौर नगर स्थित श्री गुरु द्रोणाचार्य प्राचीन मंदिर में देवाधिदेव महादेव परिवार का विशेष श्रृंगार, पूजन, भोग-प्रसाद अर्पण और महाआरती का कार्यक्रम भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अवंतिका नगरी उज्जैन स्थित बाबा श्री महाकाल मंदिर के विद्वान पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी ने मंदिर में प्रतिष्ठित शिवलिंग का विधिवत रुद्राभिषेक कर महाकाल स्वरूप में भांग श्रृंगार पूजन किया।

अपने आशीर्वचन में डॉ. दिनेश गुरुजी ने बाबा श्री महाकाल की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि व्यक्ति का जीवन, उसकी सांसें, सुख-सुविधाएं और आरोग्य, सब बाबा महाकाल की इच्छा के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि संसार में हर व्यक्ति का भक्ति, प्रेम, त्याग और परोपकार का दृष्टिकोण भिन्न हो सकता है, लेकिन तन्मयता से महाकाल के दर्शन और शीश वंदन मात्र से ही वे प्रसन्न होकर भक्त का कल्याण करते हैं। ब्रह्मांड के सेंटर पॉइंट कही जाने वाली उज्जैन नगरी में बाबा महाकाल के पास आने मात्र से व्यक्ति का भाग्योदय हो जाता है। श्री द्रोण गौशाला समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों गोवंश की

सामूहिक सेवा की गई, डॉ. दिनेश गुरुजी का स्वागत-सत्कार किया गया और उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस प्राचीन मंदिर में महाभारत काल में एकलव्य द्वारा स्थापित गुरु द्रोण की अलौकिक प्रतिमा की आज भी पूजा की जाती है। इस अवसर पर श्री द्रोण गौशाला समिति के राकेश कुमार गर्ग, रजनीकांत अग्रवाल, मनीष मांगलिक, सोनू वर्मा (सचिन), राजू कौशिक मास्टरजी सहित अनेक श्रद्धालु भक्तों ने सेवा में योगदान दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल...

स्थिति संभालने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहुल गांधी से धरना समाप्त करने की अपील की, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन जारी रखा। बाद में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन भी वहां पहुंचे।

जन्मदिन के बहाने तैयार हुई गोपनीय रणनीति

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने इस प्रदर्शन की योजना बेहद गोपनीय तरीके से तैयार की थी। शुरुआत में पार्टी की योजना संसद की कार्यवाही स्थगित होने के बाद विजय चौक तक मार्च निकालने की थी, लेकिन इसकी जानकारी पहले ही सार्वजनिक हो गई। कांग्रेस को आशंका थी कि पुलिस पहले से बैरिकेडिंग कर नेताओं को रोक देगी।

इसके बाद पार्टी नेतृत्व ने रणनीति बदल दी। तय किया गया कि मल्लिकार्जुन खड़गे के जन्मदिन के लंच के बहाने वरिष्ठ नेताओं को उनके आवास पर बुलाया जाएगा, जिससे किसी को संदेह नहीं होगा। दोपहर करीब तीन बजे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सांसद और अन्य वरिष्ठ नेता खड़गे के आवास पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों को भी यही लगा कि यह केवल जन्मदिन का कार्यक्रम है।

जैसे ही सभी प्रमुख नेता एकत्र हुए, वे एक साथ प्रधानमंत्री आवास की ओर रवाना हो गए। कांग्रेस का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास तक पहुंचकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराना था। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास से कुछ दूरी पहले ही रोक दिया।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां भी रह गईं हैरान

कांग्रेस के इस अचानक प्रदर्शन ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंका दिया। सोमवार को संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के बाद मंगलवार को मध्य दिल्ली में पहले से भारी पुलिस बल तैनात था और पूरे इलाके को सुरक्षा के लिहाज से किले में तब्दील कर दिया गया था। इसके बावजूद कांग्रेस के इस गुप्त अभियान की जानकारी सुरक्षा एजेंसियों को पहले से नहीं मिल सकी। जब नेताओं का काफिला प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ा तो पुलिस को तत्काल अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ी।

प्रधानमंत्री आवास को ही क्यों चुना कांग्रेस ने?

पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस इस प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाना चाहती थी। कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि संसद में नीट-यूजी पेपर लीक समेत छात्रों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा नहीं कराई जा रही है। विपक्ष का कहना है कि सरकार इन मुद्दों से बच रही है।धरने के दौरान कांग्रेस ने पांच प्रमुख मांगें भी रखीं। पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री से संसद के पटल पर बयान देने, पूरे मामले पर संसद में चर्चा कराने, छात्रों से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से सुनने तथा सोमवार को प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर सक्रियता दिखाने की कोशिश

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस इस प्रदर्शन के जरिए छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर अपनी सक्रियता का संदेश देना चाहती थी। हाल के दिनों में परीक्षा पेपर लीक के मुद्दे पर एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक लगातार आंदोलन कर रहे हैं। कांग्रेस ने उनके आंदोलन के प्रति समर्थन तो जताया था, लेकिन पार्टी नेतृत्व प्रत्यक्ष रूप से उस आंदोलन में सक्रिय नजर नहीं आया।

ऐसे में कांग्रेस नहीं चाहती थी कि छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर उसकी छवि कमजोर दिखाई दे। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर अचानक धरना देकर सरकार पर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश की। कांग्रेस का मानना है कि इस प्रदर्शन के जरिए वह संसद के भीतर और बाहर छात्रों से जुड़े मुद्दों को अधिक मजबूती से उठा सकेगी।

मंगलवार का यह घटनाक्रम कांग्रेस की हाल के वर्षों की सबसे गोपनीय और अचानक अंजाम दी गई राजनीतिक कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है।

सरकार खुद ...

इसके बाद कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से दिल्ली पुलिस मुख्यालय के सामने प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को रद्द कर दिया गया। मंगलवार को जंतर-मंतर पर जारी प्रदर्शन में कई विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। इनमें उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, शरद पवार, सुप्रिया सुले, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह सहित कई सांसद एवं विपक्षी नेता धरना स्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

शाम होते-होते फिर बढ़ी प्रदर्शनकारियों की संख्या

दिनभर के घटनाक्रम के बावजूद शाम तक जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगी। धरना स्थल पर वे लोग भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जो एक दिन पहले संसद मार्च के दौरान पुलिस की लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलेबारी में घायल हुए थे। प्रदर्शनकारी सरकार से अपनी मांगों पर सकारात्मक पहल की उम्मीद जताते हुए आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं।

राहुल के...

के बाहर धरना-प्रदर्शन किया, जिससे आम जनता को असुविधा हुई और सुरक्षा प्रोटोकॉल की भी अनदेखी की गई।केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने छात्रों से जुड़े मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए अपनी तत्परता पहले ही जता दी थी, लेकिन कांग्रेस ने लोकतांत्रिक बहस के बजाय राजनीतिक प्रदर्शन का रास्ता चुना।

उन्होंने कहा, कांग्रेस का मकसद छात्रों के लिए समाधान ढूंढ़ना नहीं था, बल्कि राजनीतिक सुर्खियां बटोरने के लिए अशांति फैलाना था। राहुल गांधी के लिए यह छात्रों का मुद्दा नहीं, बल्कि हर संभव चर्चा का रास्ता खुलने के बावजूद टकराव पैदा करने का विषय है।

नीट पर चर्चा और समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि केंद्र सरकार नीट से जुड़े सभी मुद्दों पर संसद में चर्चा करने और युवाओं की वास्तविक चिंताओं का समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, भारत के छात्र राजनीतिक अभियानों में मोहरे की तरह इस्तेमाल किए जाने से कहीं बेहतर व्यवहार के हकदार हैं। वे अराजकता के बजाय निश्चितता, नारों के बजाय समाधान और अशांति के बजाय जिम्मेदारी के पात्र हैं।

जवाब, सुधार और जवाबदेही देने के लिए प्रतिबद्ध है सरकार

शिक्षा मंत्री ने अपने बयान में कहा कि सरकार छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरी गंभीरता से निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, हम अपने छात्रों के प्रति केवल आक्रोश व्यक्त करने तक सीमित नहीं रह सकते। हम उन्हें जवाब, आवश्यक सुधार और जवाबदेही देने के लिए बाध्य हैं और हमारी सरकार इसी दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

वांगचुक...

मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ डॉक्टरों की निरंतर निगरानी आवश्यक है।

सुनवाई के दौरान एम्स और सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सक भी उपस्थित थे। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टरों ने अदालत को बताया कि वांगचुक के शरीर में पोटेशियम का स्तर कम है। साथ ही टीएलसी (टोटल ल्यूकोसाइट काउंट) रिपोर्ट को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई। इन परिस्थितियों को देखते हुए अदालत ने बेहतर चिकित्सकीय निगरानी की आवश्यकता बताई।

केतन अग्रवाल ...

पुलिस जांच के पांच प्रमुख बिंदु

पहला प्रयास नाकाम: पुलिस के अनुसार, सिया गोयल 14 जून को केतन को लोहागढ़ किले लेकर गई थी, लेकिन उस दिन कथित हत्या की योजना सफल नहीं हो सकी।

दूसरी बार वारदात: जांच के मुताबिक, 18 जून को चेतन चौधरी भी मौके पर पहुंचा और दोनों ने कथित रूप से केतन को खाई में धक्का दे दिया।

सुपारी किलिंग का कोण नहीं: पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अब तक की जांच में इस मामले में किसी कॉन्ट्रैक्ट किलिंग (सुपारी हत्या) के साक्ष्य नहीं मिले हैं।

हत्या का कथित मकसद: पुलिस का कहना है कि आरोपियों का मुख्य उद्देश्य केतन को अपने रास्ते से हटाना था।

क्या है पूरा मामला?

पिंपरी-चिंचवड़ के व्यवसायी केतन अग्रवाल और सिया गोयल की सगाई इसी वर्ष फरवरी में हुई थी। पुलिस के अनुसार, सिया पहले से ही चेतन चौधरी के साथ संबंध में थी और वह केतन से विवाह नहीं करना चाहती थी।

जांच में यह भी सामने आया है कि प्रस्तावित बाली यात्रा टालने के लिए सिया ने कथित तौर पर केतन का पासपोर्ट भी छिपा दिया था।

पुलिस के अनुसार, 18 जून को लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के दौरान केतन को कथित रूप से खाई में धक्का देकर हत्या की गई और शुरुआती स्तर पर इसे दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया।

हालांकि, जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में चेतन चौधरी की संदिग्ध गतिविधियां, गर्मी के मौसम में हुडी पहनकर घूमना तथा कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) से मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने पूरे मामले की कड़ियां जोड़ीं। इसके बाद 23 जून को सिया गोयल और चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध सभी साक्ष्यों के आधार पर आरोपपत्र तैयार किया जा रहा है।

डीजीपी ने ...

उल्लेखनीय है कि रानी देवी की मृत्यु से संबंधित मामला पहले से पोचमपल्ली थाना अपराध क्रमांक 140/2026 के रूप में दर्ज है। पुलिस द्वारा इस मामले में जांच जारी है और विभिन्न कानूनी पहलुओं पर कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच डीजीपी कार्यालय की ओर से कार्रवाई रिपोर्ट मांगे जाने को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अब सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जिला पुलिस डीजीपी कार्यालय को अपनी कार्रवाई रिपोर्ट में क्या जानकारी देती है। शिकायत में उठाए गए मुद्दों पर अब तक क्या जांच हुई, कौन-कौन से साक्ष्य एकत्र किए गए, किन व्यक्तियों से पूछताछ हुई और आगे जांच किस दिशा में बढ़ रही हैइन सभी पहलुओं का उल्लेख अभी तक की गयी कार्यवाही रिपोर्ट में अपेक्षित माना जा रहा है।

रानी देवी प्रकरण ने समाज में भी व्यापक चर्चा पैदा की है। ऐसे मामलों में पीड़ित परिवार की यह अपेक्षा रहती है कि जांच न केवल तेज गति से आगे बढ़े, बल्कि प्रत्येक तथ्य का निष्पक्ष परीक्षण हो और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कानून के अनुरूप कार्रवाई की जाए। वहीं, न्यायिक सिद्धांत भी यही कहता है कि किसी भी व्यक्ति की जिम्मेदारी या दोष का अंतिम निर्धारण जांच और न्यायालय की प्रक्रिया के बाद ही होता है।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि डीजीपी कार्यालय द्वारा शिकायत का औपचारिक पंजीकरण, जिला पुलिस को उसका अग्रेषण और विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट तलब किया जाना इस मामले का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक पड़ाव है। अब सभी की निगाहें जिला पुलिस की आगामी कार्रवाई, डीजीपी कार्यालय को भेजी जाने वाली रिपोर्ट तथा जांच से सामने आने वाले तथ्यों पर टिकी हुई हैं। यही रिपोर्ट आगे की विवेचना की दिशा और प्रशासनिक जवाबदेही का महत्वपूर्ण आधार बनेगी।

कोर्ट चाहता है...

उन्होंने कहा कि ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत का स्थान भी चिंताजनक है और इस पर भी गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता है।

खंडपीठ हमीरपुर निवासी फैमुद्दीन एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि उनके रिश्तेदार आफान खान के विरुद्ध पॉक्सो अधिनियम और उत्तर प्रदेश अवैध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से उनकी संपत्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं ने अदालत से अपनी संपत्ति की सुरक्षा की मांग करते हुए कहा कि केवल एफआईआर दर्ज होने के आधार पर किसी व्यक्ति की संपत्ति के विरुद्ध कार्रवाई करना उचित नहीं है।

हालांकि, इस मामले में न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की राय अलग-अलग होने के कारण मामले को आगे की सुनवाई के लिए तीसरे न्यायाधीश के समक्ष भेज दिया गया।

राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गठित करने को कहा नई एसआईटी

इस बीच, अयोध्या राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 20 जुलाई को नई विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि जांच किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की निगरानी में कराई जाए, ताकि मामला तार्किक और निर्णायक निष्कर्ष तक पहुंच सके।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए तथा इसकी निष्पक्ष, स्वतंत्र और ईमानदार जांच आवश्यक है।

चढ़ावा चोरी मामले में आठ आरोपी जेल में

राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, मनीष यादव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा शामिल हैं। सभी वर्तमान में फैजाबाद जेल में बंद हैं।

इन पर आरोप है कि चढ़ावे की गिनती के दौरान नकदी और आभूषणों की चोरी की गई।

इससे पहले 7 जून को पूर्व समाजवादी पार्टी मंत्री पवन पांडेय ने राममंदिर के चढ़ावे से 5 से 7.5 करोड़ रुपये की चोरी का आरोप लगाया था। इसके बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए न्यायिक जांच की मांग की थी।

विवाद बढ़ने पर राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने आरोपों से इनकार किया था, जबकि भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने मामले की सीबीआई जांच की मांग उठाई थी। बाद में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने भी ट्रस्ट से विस्तृत रिपोर्ट तलब की थी।

एसआईटी रिपोर्ट में ट्रस्टी पर लापरवाही का आरोप

विशेष जांच टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट में ट्रस्ट के ट्रस्टी अनिल मिश्रा को चढ़ावा गिनती की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने के लिए जिम्मेदार बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया। मामले के बाद ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय तथा सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया, जिसे ट्रस्ट ने स्वीकार भी कर लिया।

सिक्किम टनल ...

रेस्क्यू अभियान को तेज करने के लिए पश्चिम बंगाल से गैस-रोधी उपकरणों से लैस विशेष बचाव दल को भी बुलाया गया है। घटनास्थल पर एंबुलेंस और चिकित्सा दल को भी तैनात रखा गया है।

बचावकर्मी गैस मास्क पहनकर सुरंग के भीतर फंसे मजदूरों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि गैस रिसाव और मलबे की अधिकता के कारण अभियान अत्यंत चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

यह निर्माणाधीन सुरंग तीस्ता स्टेज-6 हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसका निर्माण पटेल इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा किया जा रहा है। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है, जबकि राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 22 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि ने एलपीजी गैस रिसाव परिदृश्य पर वार्षिक बहु-एजेंसी मॉक अभ्यास का सफल आयोजन किया

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अधीन रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मिश्रा धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने अपने कंचनबाग इकाई परिसर में एलपीजी यार्ड से गैस रिसाव की काल्पनिक आपात स्थिति पर आधारित वार्षिक बहु-एजेंसी मॉक अभ्यास का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस अभ्यास का उद्देश्य औद्योगिक आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आपदा-पूर्व तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा विभिन्न एजेंसियों के मध्य समन्वय का आकलन करना था। यह अभ्यास विभिन्न आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को गंभीर परिस्थितियों से निपटने हेतु अपनी तैयारियों एवं समन्वित कार्यप्रणाली का प्रदर्शन करने का अवसर भी प्रदान करता है।

मॉक अभ्यास में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), स्थानीय पुलिस, तेलंगाना राज्य अग्निशमन सेवाएं, एमआईडीएचएएनआई के अग्नि एवं सुरक्षा, यूटिलिटी, सुरक्षा, मानव संसाधन तथा चिकित्सा (एफएसी) विभागों के साथ-साथ भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) की अग्निशमन सेवा इकाई ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस अभ्यास की निगरानी एमआईडीएचएएनआई के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) श्री पी. बाबू, महाप्रबंधक (उत्पादन) श्री के. आनंद कुमार, सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट श्री पी. सुभाष, कंपनी कमांडर श्री वी.एस.के.आर. राव, एनडीआरएफ के उप-कमांडेंट श्री मनोहर सिंह, एमआईडीएचएएनआई के अपर महाप्रबंधक (प्रभारी-सुरक्षा) श्री पी. रमेश तथा उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) श्री एन. शेषागिरि राव की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

मॉक अभ्यास के सफल आयोजन ने औद्योगिक आपात स्थितियों के प्रभावी प्रबंधन हेतु सभी सहभागी एजेंसियों की उच्च स्तरीय तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली तथा उत्कृष्ट समन्वय क्षमता को प्रदर्शित किया। ऐसे अभ्यास एमआईडीएचएएनआई की अपने प्रतिष्ठानों में सुरक्षा, संरक्षा एवं परिचालन उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हैं।

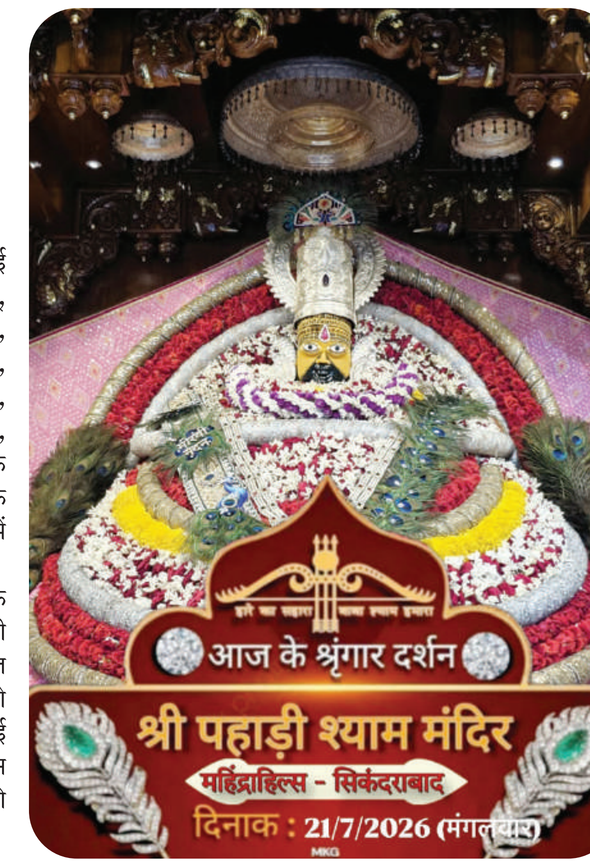

टी-19 टॉवर स्थित श्री सुमति पार्श्वनाथ जैन मंदिर में दर्शन हेतु पधारे पूज्य आचार्य श्री विमलसागर सूरीश्वरजी को वंदन कर आशीर्वाद लेते हुए सोसाइटी के सदस्य।

श्रीमाली ब्राह्मण ब्रह्म अखाड़ा मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें नाहर परिवार एवं अन्य ने भाग लिया।

तिलहन अभियान के साथ एकीकृत वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान (निम्समे), सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा तिलहन अभियान के साथ एकीकृत वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान परिसर में दि. 14 से 21 जुलाई 2026 तक किया गया।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड, कृषि और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद अभियान (एनबीएचएम) के अंतर्गत प्रायोजित था। इस कार्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें किसान, महिलाएँ, शिक्षित बेरोजगार युवा एवं मधुमक्खी पालक शामिल थे।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत मधुमक्खी पालन की वैज्ञानिक पध्दतियों, मधुमक्खी पालन के लिए उपयुक्त मधुमक्खियों की प्रजातियों, तिलहन अभियान के साथ मधुमक्खी पालन के एकीकरण की आवश्यकता, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शहद और खाद्य तेल की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग और प्रमुख उत्पादक देश, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में शहद निर्यात के मामले में भारत का स्थान, मधुमक्खी पालन से शहद और अन्य उत्पाद, खाद्य तेल के बारे में भारत की स्थिति, देश की घरेलु माँग और खाद्य तेल की उपलब्धता, खाद्य तेल के आयात संबंधी भारत की वर्तमान स्थिति, तिलहन अभियान की शुरुआत के बाद भारतीय बाजार में खाद्यतेल के उत्पादन में हुई बढोतरी और आयात पर उसका प्रभाव, वर्ष 2030 तक खाद्य तेल उत्पादन संबंधी निर्धारित लक्ष्य आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को तिलहन की फसलों के बेहतर परागण और उत्पादन बढ़ाने के लिए मधुमक्खियों का उपयोग करने के बारे में किसानों, विद्यार्थियों, महिलाओं और मधुमक्खी पालकों को प्रशिक्षित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सत्रों में प्रशिक्षार्थियों को मधुमक्खियों की शररीर रचना, परागण में उनका महत्व, मधुमक्खियों की कॉलोनों का रख-रखाव, मुधुमक्खियों की कॉलोनियों का विभाजन, नई राणी मधुमक्खियों का सृजन, मधुमक्खी पालन से प्राप्त होने वाले शहद, मोम, प्रोपोलिस और पोलन जैसे उत्पादों से अतिरिक्त आय का सृजन आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सभी प्रशिक्षुओं को एक्सपोजर विजिट के लिए मुलुगु स्थित फॉरेस्ट कॉलेज एण्ड रीसर्च इन्स्टीट्यूट का दौरा कराया गया।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में कार्यक्रम निर्देशक वी.बी.आर. प्रसाद ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय उद्यमिता के आधार पर करने और अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने के उपायों की जानकारी दी।

सभी प्रशिक्षार्थियों ने कार्यक्रम के सत्रों में दी गई जानकारी की सराहना की और इस कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान के साथ ही कार्यक्रम प्रायोजक राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

निम्समे के उद्यमिता और विस्तार स्कूल के निदेशक डॉ. श्रीकांत शर्मा के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम निर्देशक वी.बी.आर. प्रसाद, डॉ. शिरीष कुलकर्णी के अलावा मास्टर ट्रेनर विकास क्षीरसागर एवं मधुमक्खी पालक बी. पृथ्वीराज ने विभिन्न सत्रों का संचालन कर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण के बाद धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सीएसआईआर-आईआईसीटी और इसरो-वीएसएससी के बीच समझौता

स्वदेशी इको-फ्रेंडली ब्लोइंग एजेंट तकनीक विकसित करेंगे

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर-आईआईसीटी), हैदराबाद ने अगली पीढ़ी के पर्यावरण-अनुकूल ब्लोइंग एजेंट तकनीक के स्वदेशी विकास के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता 8 जुलाई, 2026 को तिरुवनंतपुरम स्थित वीएसएससी में हुआ। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य आयातित स्पेशलिटी फ्लोरोकेमिकल्स पर निर्भरता कम करना और आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूत करना है।

समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान सीएसआईआर-आईआईसीटी की ओर से निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी के नेतृत्व में डॉ. नेट्टम चौधरी, डॉ. प्रवीण लिखार और डॉ. पुन्ना नागेंदर मौजूद रहे, जबकि वीएसएससी की ओर से निदेशक डॉ. राजीव यू.पी., श्री आर. मुरलीकृष्णन और श्री नल्लापेरुमल ए.एम. उपस्थित थे।

इस सहयोग के तहत सीएसआईआर-आईआईसीटी की फ्लोरोकेमिकल संश्लेषण और प्रोसेस विकास की विशेषज्ञता तथा वीएसएससी की तकनीकी मूल्यांकन क्षमताओं का उपयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि यह सहयोग वैज्ञानिक नवाचार को राष्ट्रीय महत्व की तकनीक में बदलने का उदाहरण है। आईआईसीटी के पास एनहाइड्रस हाइड्रोजन फ्लोराइड को सुरक्षित रूप से संभालने की विशिष्ट प्रयोगशाला और बुनियादी ढांचा है।

वीएसएससी निदेशक डॉ. राजीव यू.पी. ने कहा कि आईआईसीटी की फ्लोरोऑर्गेनिक्स लैब में ऐसी विशिष्ट क्षमताएं हैं जो देश की कुछ ही प्रयोगशालाओं में उपलब्ध हैं। यह साझेदारी स्वदेशीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

वैज्ञानिक डॉ. पुन्ना नागेंदर ने बताया कि हाइड्रोफ्लोरोओलेफिन्स अगली पीढ़ी के पर्यावरण-अनुकूल केमिकल हैं, जिनका ओजोन डिप्लेशन पोटेंशियल शून्य और ग्लोबल वार्मिंग पोटेंशियल बेहद कम है। ये पारंपरिक ब्लोइंग एजेंट्स की जगह ले रहे हैं।

माथुर वैश्य केंद्रीय महिला मंडल की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माथुर वैश्य केंद्रीय महिला मंडल की बैठक का आयोजन प्लेटिनम क्लब में उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। बैठक में समाज की महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों ने हाल ही में हैदराबाद पधारे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के प्रवचनों एवं आध्यात्मिक संदेशों की सराहना करते हुए उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

बैठक में आगामी 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम को भव्य एवं आकर्षक रूप से आयोजित करने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं अन्य आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई।कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना एवं हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से हुई, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। बैठक के उपरांत सभी सदस्यों के लिए सामूहिक भोजन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंजू, कमलेश, रचना, कविता, सरिता, पायल, अमिता, भावना, सुमन, रूचि, प्राची सहित अनेक महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक संयोजिका श्रीमती सपना विमल गुप्ता ने सभी उपस्थित महिलाओं, सहयोगकर्ताओं एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : प्रमोद गुप्ता

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय, हैदराबाद के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य के दौरान उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने यह संकल्प दोहराया कि समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे और सेवा की यह अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती रहे।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रमोद गुप्ता (बड़ेगांववाले) ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़ना उनके लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक भाव मन की पवित्रता, करुणा और संवेदनशीलता से जन्म लेता है। जब मन में दूसरों के दुःख को अपना दुःख समझने की भावना जागृत होती है, तभी सच्ची मानव सेवा संभव होती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद बिना किसी भेदभाव के प्रतिदिन जिस निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया, भंवरलाल गुप्ता, प्रमोद गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बल्कमपेट येल्लम्मा अम्मावारी का कल्याण महोत्सव धूमधाम से संपन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): देवस्थानम विभाग के तत्वावधान में बल्कंपेट येल्लम्मा अम्मावारी का कल्याण महोत्सव अत्यंत भव्यता और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर अम्मावारी कल्याणम के दर्शन किए।

कल्याण महोत्सव के शुभ अवसर पर राज्य के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर तथा देवस्थानम मंत्री कोंडा सुरेखा ने सरकार की ओर से माता रानी (अम्मावारु) को रेशमी साड़ियाँ अर्पित कीं और उत्सव में भाग लिया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अम्मावारी कल्याणम की रस्म भव्यता के साथ संपन्न हुई।

कल्याण महोत्सव में मुख्य अतिथियों के रूप में मुख्यमंत्री के परिवार के सदस्य, राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर का परिवार, कोंडा सुरेखा का परिवार, सरकारी व्हिप अड्लुरी दयाकर का परिवार, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी की पत्नी काव्या रेड्डी, तथा विधायक दानम नागेंद्र, तलासानी श्रीनिवास यादव व नवीन यादव शामिल हुए। मंदिर परिसर में आगमन पर देवस्थानम विभाग के अधिकारियों ने मंदिर की परंपराओं के अनुसार सभी का आदरपूर्वक स्वागत किया।

श्रद्धालुओं के लिए व्यापक इंतजाम

सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप, देवस्थानम विभाग द्वारा अम्मावारी कल्याणम के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। देवस्थानम विभाग के आयुक्त हनुमंतराव, मंदिर के अध्यक्ष साईबाबा और अन्य अधिकारियों ने महोत्सव के मद्देनजर भव्य इंतजाम किए थे।

परिसर में पीने के पानी और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई थी। श्रद्धालुओं को कहीं भी कोई असुविधा न हो और प्रत्येक भक्त सुगमता से अम्मावारी कल्याणम के दर्शन कर सके, इसके लिए विशेष सावधानियां बरती गईं। कल्याणम के बाद भी भक्तों और आम जनता का अम्मावारु के दर्शन के लिए भारी तादाद में आना जारी रहा।

इस कल्याण महोत्सव में जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला, डीसीपी (ट्रैफिक) काजल सिंह, संयुक्त आयुक्त रामकृष्ण राव, कार्यकारी अधिकारी विनोद रेड्डी सहित जीएचएमसी , विद्युत, एचएमडब्ल्यूएसएस , चिकित्सा, राजस्व, देवस्थानम विभाग और पुलिस विभाग से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर समिति ने केटीआर को बोनालू उत्सव के लिए दिया निमंत्रण

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद के ऐतिहासिक श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर, हरिबोवली के मंदिर समिति प्रतिनिधियों ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कल्वकुंतला तारक रामा राव (केटीआर) से उनके नंदी हिल्स स्थित निवास पर मुलाकात की।

प्रतिनिधियों ने आगामी 9 अगस्त को श्री अकन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में आयोजित होने वाले वार्षिक बोनालू उत्सव समारोह में शामिल होने के लिए उन्हें औपचारिक रूप से आमंत्रित किया। मंदिर समिति के प्रतिनिधियों ने केटीआर को आगामी 78वें वार्षिक आषाढ़ मास बोनालू उत्सव का निमंत्रण पत्र सौंपा और उनसे अनुरोध किया कि वे 9 अगस्त को बोनालू उत्सव के दौरान मंदिर पधारकर दर्शन-पूजन करें।

इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष डी. प्रभाकर, सचिव के. दत्तात्रेय, कोषाध्यक्ष ए. सतीश, संगठनात्मक सचिव एस.पी. क्रांति कुमार, उपाध्यक्ष जगमोहन कपूर व एम. विनोद कुमार, तथा सदस्य साईकिरण पवार, रविंदर चारी, एल. अरुण कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राज्य में पड़ा सूखा प्राकृतिक नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों का परिणाम : केटी रामाराव

मंचेरियाल, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में पड़ा सूखा प्राकृतिक नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों का परिणाम है।

मंचेरियाल जिले के दंडेपल्ली और गूडेम में आयोजित किसान सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए केटीआर ने कहा, ''यह समय की मार नहीं, बल्कि कांग्रेस द्वारा लाया गया सूखा है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की लापरवाही और गलत नीतियों के कारण किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। वर्षा की कमी के बावजूद सरकार ने जल प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया और गोदावरी का पानी बेकार बहने दिया जा रहा है, जबकि किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा है। यदि कालेश्वरम परियोजना का समय पर प्रभावी उपयोग किया जाता तो किसानों को राहत मिल सकती थी।

केटीआर ने कहा कि कमजोर मानसून के कारण कई जिलों में खरीफ की बुवाई प्रभावित हुई है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने सरकार से किसानों को तुरंत सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने और ठोस कार्ययोजना लागू करने की मांग की।

इस दौरान केटीआर ने लक्षेट्टीपेट में हाल ही में जान गंवाने वाले किसानों के परिजनों से मुलाकात कर प्रत्येक मृतक किसान के परिवार को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक सौंपे और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसानों की मौत सरकार की लापरवाही का परिणाम है।

इस सम्मेलन में बीआरएस जिलाध्यक्ष बाल्का सुमन, जिला प्रभारी एन. लक्ष्मण, पूर्व विधायक दिवाकर राव, जीवन रेड्डी, युवा नेता नडपेल्ली विजित राव सहित अन्य वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

एसआईआर के संबंध में राजनीतिक दलों बीएलओ और बीएलए की समन्वय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): अरुंधति सेवा मंडल, गणेश मंदिर, चूड़ी बाज़ार में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों, बीएलओ (बूथ स्तरीय अधिकारी) एवं बीएलए (बूथ स्तरीय एजेंट) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के उप आयुक्त (डिप्टी कमिश्नर) श्री उमा प्रकाश विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए उप आयुक्त ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) जनता की हर संभव सहायता के लिए सदैव तत्पर और उपलब्ध रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के बीएलए, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) तथा बीएलओ द्वारा दिए जा रहे निरंतर सहयोग और आपसी समन्वय के लिए सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

इस अवसर पर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के फ्लोर लीडर एवं एसआईआर समिति प्रभारी श्री राम नगर यादव, के. डी. दिनेश, आनंद सिंह, डॉ. प्रेम प्रकाश शर्मा, प्रेम कुमार, दामोदर शर्मा, एच. गौतम, एस. योगेश सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जारी एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें। विशेष रूप से गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले ऐसे लोग, जो किराए के मकानों में रहते हैं या जिनके पास अपना स्थायी घर नहीं है, तथा राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र से आकर बसे हुए नागरिकों को एसआईआर प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि ऐसे सभी जरूरतमंद लोगों को बीएलए द्वारा हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।

इसके साथ ही ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) प्रशासन से भी अनुरोध किया गया कि वह ऐसे नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज एवं सहायता प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करे। बैठक में यह संकल्प भी दोहराया गया कि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर के प्रति जन-जागरूकता फैलाने तथा लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर जनसेवा में तत्परता से कार्य करती रहेगी।

बांसवाड़ा में घर-घर हेल्थ सर्वे कल से आभा कार्ड में दर्ज होगा रिकॉर्ड

बांसवाड़ा, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

जिला मेडिकल एवं हेल्थ ऑफिसर डॉ. वेंकट ने कहा कि बांसवाड़ा शहर में जल्द ही घर-घर हेल्थ सर्वे किया जाएगा।

बांसवाड़ा एरिया अस्पताल में सर्वे स्टाफ के साथ एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए डॉ. वेंकट ने बताया कि राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर गुरुवार से छह दिनों तक शहर में घर-घर हेल्थ सर्वे चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस सर्वे के दौरान स्वास्थ्य कर्मी प्रत्येक घर जाकर परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एकत्र कर रिकॉर्ड करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि सर्वे स्टाफ को सही जानकारी दें और अपना आधार कार्ड उपलब्ध कराएं। इससे सभी की स्वास्थ्य जानकारी आभा कार्ड में दर्ज हो जाएगी, जो भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यक्रम में अस्पताल अधीक्षक डॉ. विजय भास्कर सहित अस्पताल के कर्मचारी मौजूद रहे।

सेवा का संकल्प, समाज का उत्थान : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद, श्रमिक एवं असहाय लोगों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया। सेवा के इस पावन कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता निभाई और मानवता की सेवा का संदेश दिया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा का संकल्प ही समाज के उत्थान का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि उसके लोगों की संवेदनशीलता, करुणा और सेवा भावना से होती है। जब समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने सामर्थ्य का कुछ अंश जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित करता है, तभी एक मजबूत, संस्कारित और समरस समाज का निर्माण होता है।

उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को सम्मानपूर्वक भोजन कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना है। जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं को जागृत करना भी है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि एवं अन्य शुभ अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़ें, ताकि समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा या उपेक्षित न रहे।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि प्रभु की कृपा और पूर्वजों के आशीर्वाद से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर निस्वार्थ भाव से मानव सेवा के कार्यों में लगा हुआ है। यह अभियान किसी प्रसिद्धि या सम्मान के लिए नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने की भावना से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि समाज का हर व्यक्ति दूसरों के दुःख को अपना दुःख समझकर आगे आए, तो अनेक सामाजिक समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि अन्नदान, मानव सेवा और सामाजिक सहयोग का यह पावन अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा अधिक से अधिक लोगों को इस सेवा यात्रा से जोड़कर प्रेम, सद्भाव और परोपकार की भावना को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।

श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुई शिवपुराण कथा

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला के सुराराम स्थित मां दधिमाता मंदिर में आयोजित शिवपुराण कथा श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुई। प्रख्यात कथावाचक पंडित संजय कृष्ण शास्त्रीजी महाराज ने संगीतमय शैली में भगवान शिव की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और शिवमहिमा का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव एवं माता पार्वती के स्वरूप में सजे बाल कलाकारों ने मनमोहक धार्मिक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। उनकी आकर्षक प्रस्तुति को उपस्थित भक्तों ने भाव-विभोर होकर सराहा।कथा पंडाल में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सभी ने श्रद्धा और भक्ति के साथ शिवपुराण कथा का रसास्वादन किया। इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत भजन-कीर्तन ने पूरे परिसर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के समापन पर महिला मंडल की ओर से सभी श्रद्धालुओं, सहयोगकर्ताओं एवं आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

औद्योगिक कॉरिडोर के लिए जमीन गंवाने वाले किसानों को एक सप्ताह में प्लॉट बांटें: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि विकाराबाद औद्योगिक कॉरिडोर के लिए अपनी जमीन गंवाने वाले किसानों को एक सप्ताह के भीतर भूखंड (प्लॉट) वितरित किए जाएं। प्रभावित किसानों को प्लॉट आवंटन में हो रही देरी पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी और विलंब के इस प्रक्रिया को पूरा करने का आदेश दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.